सकरा है वो फाटक

धन्यवाद, भाई नेविल। धन्यवाद। प्रभु के घर में वापस आना ये बहुत ही अच्छा है। आराधनालय में वापस आना मुझे हमेशा ही आनंदित करता है, कोई फर्क नहीं पड़ता मैं कहीं भी जाऊं। इस छोटे से स्थान के विषय में कुछ तो है कि मैं वापस आना पसंद करता हूं। यह बस, ओह, मैं... यह मेरा पहला और एक ही आराधनालय हैं जहां मैंने कभी चरवाहे का काम किया है। और ये फिर से यहाँ वापस आने में अच्छा लगता है। और मैं विश्वास करता हूं कि उस बड़ी सुबह जब सूर्य चमकने को मना कर देगा और सितारे अपने प्रकाश को धीमा कर देंगे, मैं विश्वास करता हूं इस आराधनालय में से भी कुछ लोग होंगे, जो उस दिन वहां उपस्थित होंगे, यही है जो मेमने के लहू में धुले हुए है। मैं उस समय की प्रतिक्षा कर रहा हूं।

2 अभी जैसे ही मैं कमरे से होकर आया, मैं वहां पीछे बहन ऑर्गन ब्राइट से मिला। और वह मुझे बता रही थी कि यहां कुछ लोग हैं जो किंगस्टोन की सभा में थे, जो उस समय वहां आए थे और मैं... वो... यहां उनको गवाह के रूप पाकर मैं बहुत आनन्दित हूं। वे जहां कही भी है, क्या वे अपने हाथों को ऊपर रखेंगे, वे जमायंका की किंगस्टोन सभा में थे। जी हां, वे वहां सबसे पीछे है। ठीक है। अच्छी बात है।

3 मैं ओरल का पोस्ट कार्ड को देखता हूं। मैं समझता हूं कि आपने उनकी सभा की घोषणायें कर दी है। मुझे बीते कल तक तारीखों का पता नहीं था। मैं सोचता हूं यह छह से आरंभ है, क्या नहीं? छह से पंद्रह तारीख तक, भाई रॉबर्टस लुईसविले में। अब, जाकर उन्हें सुने। भाई रॉबर्टस मेरे एक—एक गहरे मित्र और मसीह के सच्चे सेवक है। और मैं निश्चित हूं कि आप उनके संदेशों का आनंद लेंगे, एक रात्रि के बाद दूसरी रात्रि। और एक... उनका, जैसे कि वो बीमारों के लिए प्रार्थना करते है मैं—मैं निश्चित हूं कि आप परमेश्वर के कार्य को देखेंगे, क्योंकि वह विश्वास का एक महान योद्धा है, जो भाई रॉबर्टस है, और एक मनुष्य जिसे परमेश्वर बहुत अधिक प्रयोग कर रहा है। और उसकी सेवकाई ऊपर जा रही है...

4 मुझे याद है जब मैं पहली बार भाई रॉबर्टस से मिला, वो वहां संत

लुईस, मिसौरी में छोटे से पुराने तंबू में थे, और मैं... नहीं, केनसास शहर, मिसौरी। और मैं केनसास शहर में था, केनसास, एक सभागार में। वह सामने की सीट पर बैठे थे। सभा समाप्त होने के बाद, हम घूमते हुए, पीछे गए और बातें कर रहे थे। उन्होंने उनसे मेरा परिचय कराया। वह मुझसे छोटा है; ओरल अपने चालीस के आरंभ के दशक में थे। और इसलिए उसने कहा, "क्या आप सोचते हैं परमेश्वर बीमारों के लिए मेरी प्रार्थना को सुनेगा? "

मैंने कहा, "भाई, वह हर एक की प्रार्थना सुनेगा जो प्रार्थना को करेगा।" उसने आरंभ किया, और उसने कहा, "यहां मैं आरंभ करता हूं!"

5 वह बहुत बुद्धिमान पुरुष है, और उसके पास कॉलेज की शिक्षा है, मनोविज्ञान के चार वर्ष, और मुझे यकिन है वह एक—एक बुद्धिमान पुरुष है। और अब वह ऐसे स्थान में पहुंच गया है जहां उसकी चारों ओर उसके सलाहकार और इत्यादि लोग होते हैं, इतना तक, जब वो बोलता है, वो—वो इसे सोच लेता है। और वास्तव में आप आनंदित होंगे, मुझे यकीन है।

6 और इसलिए अब मैं बस एक छोटी सी रिपोर्ट देना चाहता हूं कि हमारे प्रभु ने हमारी जमायंका और प्यूर्टो रिको की छोटी नम्र सेवकाई में क्या किया है। यह एक विभिन्न बात थी कि, मैं वहां पर गया, क्योंकि बहुत से फोन आ रहे थे। जैसा कि यहां लियो जानता है, कि फोन... और उस सारे सप्ताह के दौरान, व्यवहारिक रूप में सभाओं के लिए सैकड़ों फोन आये। लेकिन फिर भी मैं अगुवाई को पसंद करता हूं कि कहां जाऊं, इसके लिए पसंद करता हूं। यदि मैं जाता हूं क्योंकि किसी व्यक्ति को मेरे लिए भेजा गया, कि आऊँ तब मैं उस कलीसिया के नाम में जाता हूं या उस संस्था के। यदि मैं जाऊं क्योंकि भाई नेविल ने कहा है, मुझे जाना चाहिए, मुझे भाई नेविल के नाम में ही जाना होगा। लेकिन मैं जाना पसंद करता हूं, जब यीशु भेजता है इसलिए आप प्रभु यीशु के नाम में जा सकते हैं कि लोगों से मिले।

7 और मैं पलंग पर लेटा हुआ था, और मैं थोड़ा थका हुआ था। यह घाटी जल्दी या देर में, मुझे इस घाटी को छोड़ना होगा, क्योंकि यह मेरे गले का इस सीमा तक तोड़ रही है मैं मुश्किल से खड़ा भी नहीं हो पा रहा हूं। मैं अलग दूर जा सकता हूं और वापस आ... हम एक दिन आए लियो और मैं, चालीस मील के भीतर, फ्लोरिडा के दलदल में होने के बाद, सारा गला

साफ हो गया, और लुईसविले के चालीस मील के भीतर–भीतर यह फिर रुक गया। भाई बैक वुड को आज सुबह यहीं कहीं होना चाहिए। और एक दिन किंगस्टोन और—और प्यूर्टो रिको से से आ रहे थे जहां मेरा गला बिलकुल ठीक था; और मैं हवाई जहाज से उतरा, तब भी ठीक था; और इसके पहले हम जैफफरसनविले पहुंच सके, यह फिर बंद हो गया। देखिए यहां ये घाटी है। ये यहां कीटाणु हवा में होते है, या ये परमेश्वर है, वो एक, मुझे दूर रखने का यत्न कर रहा है। इसलिए, मैं—मैं ऐसे नहीं समझता। मैंने प्रार्थना की और बहुत सी बार मांगा।

8 परंतु, जो भी है, मैं तब जगा ही था, यह लगभग सुबह के तीन बजे थे। और मेरी पत्नी और लड़का सोये हुए थे। और मैं पलंग की एक ओर उठ गया, और मैंने देखा लोगों का एक बड़ा झुंड एक बड़े स्थान में जमा है, और मैंने बिली पॉल से कहा, "तुम वहां जाकर और लोगों को यह प्रार्थना का कार्ड दे दो।"

9 और उसने कहा, "ठीक है, पिताजी।" कुछ ही मिनटों में वह वापस आ गया, और कहा, "आप उन लोगों को प्रार्थना कार्ड नहीं दे सकते।" उसने कहा, "आप देखते हैं यह व्यक्ति जो यहां पर खड़ा है? "

मैंने कहा, "हां।"

10 उसने कहा, "वह यहां पर था, और मैंने कहा, 'हर कोई प्रार्थना कार्ड को चाहता है वो आपके हाथ पकड़ने लगता है।'" और कहा, "मैं इसे एक प्रार्थना पत्र देने गया, तो वह कहीं तो और चला गया। और फिर मैं वहां पर गया, और वह कहीं तो और था। अब ये यहां वापस आ गया है।" कहां, "मैं यहाँ तक एक भी प्रार्थना कार्ड नहीं दे सकता।"

11 मैंने कहा, "अच्छा, बिली, तुम्हें प्रार्थना कार्ड को नहीं देने है, क्योंकि यहां इतना बड़ा स्थान है कि यहाँ तक हर कोई हो सकता है... " प्रार्थना कार्ड गड़बड़ी को दूर रखने के लिए होता है... आप समझे, और उन्हें व्यवस्था में रखने के लिए होता है। मैंने कहा, "ओह, मैं वहां हर एक को ले सकता हूं, मेरे पास जो जगह है, उससे ज्यादा नहीं, और उन्हें पंक्ति में करके और उनके लिए एक–एक करके प्रार्थना करना।"

12 और उसने कहा, "ठीक है।" और वह दहिनी ओर मुड़कर और मेरे पास से चला गया। मैं *इस* ओर घूम गया और जब वह *उस* ओर चला गया, और उसे देख रहा था।

13 और मैंने स्वर्ग से आती हुई एक आवाज सुनी, और कहा, "लेकिन इस समय मैं तुझे ऊँचा उठाना आरम्भ करूंगा।" और मैंने देखा, और मैंने लोगों की इतनी बड़ी भीड़ कभी नहीं देखी, वे हर कहीं से आकर भीड़ कर रहे थे।

14 और भाई रोबर्टस का नाम पुकारा गया, कहा, "अब भाई ओरल रॉबर्टस आपको मिलने आ रहे हैं।"

और मैंने कहा, "मुझे भाई रॉबर्टस का कैसे अभिवादन करना चाहिए? "

कहा, "ठीक उसी प्रकार से जैसे वह आपका अभिवादन करता है।"

15 मैंने देखा भाई रॉबर्टस काला सूट पहने हुए आ रहे हैं, और एक छोटी सी टोपी बिंग क्रास बाई जैसी पहने हुए है, वह थोड़ी ऊपर मुड़ी हुई होती है, और नीचे झुकी हुई छोटी काली टोपी। और मैं एक प्रकार से खड़ा हुआ था, और उसने ऊपर की ओर देखा और कहा, "हेलो, भाई ब्रंहम।"

और मैंने कहा, "हेलो भाई रॉबर्टस, " उनसे हाथ मिलाया।

कहा, "आपके पास अच्छी भीड़ है।"

16 मैंने कहा, "भाई रोबर्टस बहुत भीड़ है।" और वह घूमा और उसी मार्ग से चला गया जहाँ बिली गया था, दहिनी ओर।

17 और मैंने सोचा, "मैं उन लोगों से कहां से बोलने जा रहा हूं? " और मैंने हर तरफ से कोशिश की कि बोलने के लिए स्थान को ढूंढू। मैं एक ऐसी स्थिति में था, कुछ तो वहां, जिसे मैं देख नहीं सकता था, कि—कि उनके लिए कहां से बोलूं।

और किसी ने कहा, "ठीक है, यहाँ पर आओ।"

18 मैंने कहा, "तो, आप वहां से अच्छा नहीं देख पाएंगे।" मैंने उधर की ओर चलना आरंभ किया। और तब मुझे यह याद आया, मैंने कहा, "मुख्य बात मुझे जो करना है वो यह है कि हमेशा ही ह्रदय में नम्र बना रहूं, परमेश्वर और उसके बालकों के सामने।"

19 और मैं दर्शन से बाहर आ गया। और मैंने सोचा, "इसका क्या अर्थ है? हो सकता है इसका अर्थ हमारे पास एक ऐसी... या कहां पर यह—यह कहां पर होने जा रहा है? " आप देखिए, कभी–कभी दर्शनों में वह आपको नहीं बताता है कि कहां, वह—वह बस बोलता है और आप बस... यह

दृष्टांत के समान होता है। और मुझे यकीन है कि आप जो बाईबल पढ़ते हैं इसे समझते हैं।

20 और फिर मैं सामने के कमरे में चला गया और थोड़ी देर के लिए बैठ गया, और यह सुबह लगभग साढ़े तीन या चार बजा था। मुझे बहुत नींद आ रही थी। मैं वापस चला गया और लेट गया, और मैंने एक स्वप्न देखा, और यह बहुत ही विचित्र स्वप्न था। और आप में से अधिकांश प्रबंधक जैक मूर को जानते हैं। भाई जैक मूर, मैं उन्हें वर्षों से जानता हूं। मैंने सोचा मैं उनकी बेटी के साथ नियुक्त समय में बाहर था, लगभग सत्रह वर्ष की एक लड़की, और उसे हाथ पकड़ कर ले जा रहा था, उसे पहाड़ पर ले जा रहा था, छोटी जैकी भाई। तो, मैं उसे तब से जानता था जब वह दूध पीती बच्ची थी। और मैं उसे पहाड़ पर ले जा रहा था, और मैं इस लड़की को लगभग शहर के तीन खंडों के लगभग ले गया। और हम एक बड़े पेड़ के नीचे आये, और वह बैठ गई। और जैसे कि आज की बहुत सी नवयुवतियां उन स्कर्टस को पहनती है, आप जानते हैं, फूला हुआ सा होता है, और उसने इसी प्रकार का स्कर्ट पहन रखा था। और इसने यह छोटा स्कर्ट लिया और उसे फैला कर बैठ गई। और जैसे कि युवा लोग अक्सर एक दूसरे को देखते हैं, और उसने अपने हाथ *इस* प्रकार से बांध लिए और आकाश की ओर इस प्रकार से देखने लगी। तो, जैकी बहुत ही भली अच्छी लड़की है, लेकिन उसका मुंह बड़ा और बड़ी–बड़ी आंखें और एक प्रकार के पतले बाल है, बहुत आकर्षक नहीं, लेकिन एक बहुत ही छोटी महिला। जब वह आकाश की ओर देख रही थी तो मैं उसकी बड़ी–बड़ी आंखें देख सकता था, और किस तरह से आकाश की चमक उसकी आंखों में थी।

21 मैं उससे लगभग पांच फिट की दूरी पर चला गया, और एक ओर *इस* प्रकार से लेट गया, और एक सुखी घास को लिया और इस सुखी घास को चबाना आरंभ किया। और मैंने सोचने लगा, "मैं यहां पर क्या कर रहा हूं? क्यों, मैं एक बूढ़ा मनुष्य, और इस युवा लड़की के साथ। क्यों," मैंने कहा, "मैं विवाहित हूं और कुछ बालक है। मेरा इस युवा लड़की के साथ यहाँ पर कोई काम नहीं।"

22 और मैं उठने लगा। और, जब मैं उठा, पेड़ में से एक आवाज आई, और कहा, "यह एक चिह्न के लिए है और एक कारण के लिए है।"

23 मैं जाग गया, और मैं चिल्ला उठा, एक—एक कुस्वप्न। मैंने सोचा, "ओह, सोचता हूँ क्या इसका अर्थ है कि मैं पिछड़ने जा रहा हूं या मुझे कुछ तो होने जा रहा है? " ठीक है, मैंने सोचा, "यदि मैं अपना ही दिमाग प्रयोग करने का यत्न कर रहा हूं, तो मैं गड़बड़ी में पड़ जाऊंगा, इसलिए बस मैं परमेश्वर के लिए प्रतीक्षा करूंगा।" और मैंने प्रार्थना करना आरंभ कर दिया। मैंने कहा, "प्रभु, क्या यह स्वप्न उस दर्शन का भाग है रात्रि के पहले पहर में था, इसका क्या अर्थ है? "

24 कुछ समय प्रतीक्षा करने के पश्चात, शायद एक घंटा (मेरी पत्नी पहले ही उठी हुई थी और नाश्ता तैयार कर लिया था।), उसके बाद वापस आवाज आई, और कहा, "किंगस्टोन को जाओ, और तुम्हें बताया जाएगा तुम्हें वहां क्या करना है।"

25 सो, मैं तुरंत ही किंगस्टोन चला गया। और वे—वे जानते थे गुरुवार दोपहर बाद कि मैं वहां पर शुक्रवार को आने वाला हूं। बस इतना ही वहां हमने विज्ञापन को किया था। मैं इतना अच्छा नहीं हूं कि... ? ... या भीड़ का अनुमान लगाने में, क्योंकि मैं अक्सर इसे बढ़ा देता हूं। लेकिन पहली रात्रि में कहूंगा, हमारे पास बारह के लगभग, ओह, लगभग बारह सौ लोग थे, बाहर, क्योंकि ये एक ही दिन लोगों को पता लगा था। और अगले दिन उन्होंने दौड़ना आरंभ कर दिया चार मील भागे, आगे बताया, ऊपर पहाड़ों पर। एक दौड़ने वाला चार घंटे तक दौड़ता, और फिर दूसरा दौड़ने वाला पहाड़ पर बताने के लिए जाने देता। और दूसरी रात्रि वहां लगभग पांच हज़ार लोग थे। और तीसरी रात्रि यह अनुमान किया गया कि लगभग पंद्रह या बीस हज़ार हो सकते हैं। और वहां पर हजारों गुणा हजार प्रभु के पास आए।

26 और दर्शन, छोटी कलीसिया का था, और लड़की एक कुंवारी थी, बस एक बच्ची, और इसका अर्थ कलीसिया का कुंवारा पन है। और शहर के तीन खंड पहाड़ के ऊपर है, तीन दिन थे मैं सेवकाई करूंगा। और छोटी कुंवारी कलीसिया को मेरी सेवकाई के द्वारा लेते हुए, जहां से वह परमेश्वर की बातों में, ऊंचाई पर थी, इतना तक वह समस्त राष्ट्र को हिला देती है।

27 और, ओह, आसपास सेवक गण और लोग चिल्ला रहे थे, और विनती कर रहे थे और समझा रहे थे, "बस एक या दो रात्रि," और शहर के अधिकारी लोग।

28 हम वहां से प्यूर्टो रिको गए। वहां हमें बड़ी और बहुत ही अपूर्व सफलता मिली, और हजारों गुना हजारो ने रास्ते को जाम कर दिया, इतना तक तक गणना की गई कि कुछ चालीस हज़ार बहुमूल्य प्राण प्रभु यीशु के पास आए। और जाते हुए, मैं आशा करता हूं... मैं इसे अपनी खुद की कलीसिया से कहता हूं, लेकिन मैं ऐसा बाहर के लोगों में नहीं कर सकता, आसपास जहां स्थानीय लोग नहीं होते है, क्योंकि यह गलत दिखाई पड़ सकता है। लेकिन मेरे पास न्यायी का नाम है यहाँ कागज पर लिखा है, जब हम यहां ठीक छोड़ने पर थे, उसने बातें की, उससे और उसके कर्मचारियों से।

29 और... उसने—उसने कहा, "हमारा इस टापू पर भिन्न सेवको के होने के लिए सौभाग्य है।" उसने कहा, "अभी हाल ही में जब बिली ग्राम इस टापू को छोड़कर गए," और कहा, "हमारी एक—एक शानदार सभा हुई थी," उसने कहा, "लेकिन बिली ग्राहम हमारे पास उसी सुसमाचार को लाए जिसे हमने हमेशा ही सुना है।" उसने कहा, "फिर हमें सौभाग्य मिला कि इस टापू पर श्रीमान रॉबर्टस आए," उसने कहा, "श्रीमान रॉबर्ट ने हमें तीन दिनों की महान सभाएं दी लेकिन," कहा, "होटल के खर्च बहुत ही अधिक थे," कहा, "तीन रात्रि के लिए पैंतीस हज़ार डॉलर छोड़ गए, होटल के खर्च के लिए।" उसने कहा, "उसके बाद श्रीमान ओसबर्न यहां पर थे जो कि मसीह के महान सेवक है। लेकिन," कहा, "जब श्रीमान ओसबर्न गए, और नीचे को आ गए," कहा, "ऐसा प्रतीत हुआ कि सब कुछ चला गया था।"

30 "लेकिन," कहा, "इस सभा में हमने ध्यान दिया यहां मंच पर किसी को मुश्किल से देखा गया था जिसके लिए भाई ब्रंहम प्रार्थना करें। लेकिन," कहा, "सभा समाप्त होने के बाद, हमने कुर्सियों और डंडों और हर चीज के ट्रक उठवाए, वहां श्रोतागण में से।" उसने कहा, "इस बार यह मनुष्य नहीं था, परमेश्वर हमारे पास आया," उसने कहा।

31 मैंने कहा, "मेरी प्रार्थनाओ की आशा ना करें; लेकिन वहां पर आपकी प्रार्थनाए, अपने हाथ एक दूसरे पर रखें।" और वे हो सकता है मंच पर एक या दो दर्जन लोगों को लाये, और, जब विचारों का परखना नीचे उतर आया, लोग बस चिल्लाने लगे। हम चौथे दर्जे के होटल में रुके, और अपने सारे खर्चे उठाए और आने जाने का स्वयं का खर्चा।

32 आप स्वयं अपनी दशमांश से सहायता करते हैं, जो आप मुझे भेजते हैं। यही है जो इससे किया गया। और मैं चाहता हूं कि आप जान ले, इस सबसे आप इसके भागीदार है। और इस शानदार आने वाले दिन में, परमेश्वर आपको इसका पुरस्कार देगा। देखिए, आप...

33 यदि व्यक्ति स्वयं जाकर और कुछ तो प्रदर्शित करता है, तब, आप देखिए, जब वह व्यक्ति चला जाता है, वे सोचते है, "परमेश्वर हमें निराशा में छोड़ गया।" परमेश्वर आपको नहीं छोड़ता। वह हमेशा आपके साथ है। देखिए, ये... आप इसमें उतना ही शामिल हैं जितना कि कोई भी, जितना कोई भी। परमेश्वर हो सकता है एक व्यक्ति को किसी विशेष सेवकाई के लिए प्रयोग कर सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वह व्यक्ति परमेश्वर का विकल्प है। यह तो आपका अपना विश्वास परमेश्वर में है।

34 और वे वहाँ छोटी सी पुराने पहिया की बग्गी में बाहर जाते थे, कि वे छोटी सी बग्गी के पहियों की तरह लेते थे, और—और लकड़ी के तख्ते को बनाते, और लोगों को उस पर लेटाते और उस पर पहियों को लगाते। और सभा के समाप्त हो जाने के बाद, मैदान के सारे रास्ते साफ हो जाते, वे गाड़ियों के साथ जाते है और पुरानी बैल गाड़ियों के साथ और पुरानी बड़ी–बड़ी कुर्सियां, लाठी, और चारपाईयां और पलंग, और बस वे उन्हें वहीं छोड़ कर और चले गए, क्योंकि प्रभु की उपस्थिति वहां पर थी। यही है जो हम देखना चाहते हैं। तब मनुष्य दृश्य से बाहर हो जाता है, और परमेश्वर कार्य कर रहा है।

35 अब इस प्रातः, सहायता करने के लिए वापस आते हैं, मैं कुछ मिनटों के लिए बोलने जा रहा हूं। और मैंने लड़के से कहा है कि टेप को प्रसारित ना करें। तीन दिनों तक मैं बहुत अधिक विचार करता रहा कि, "मैं किस पर बोलूंगा? " और इस प्रातः इससे पहले कि मैं निकलता, मैंने अपने हृदय पर कलीसिया के लिए एक कठोर चेतावनी को महसूस किया। और मैंने उन्हें बताया, "टेप करना, लेकिन बेचने के लिए बाहर ना भेजना।"

36 लेकिन इसके पहले हम यह करे, मैं आपको एक छोटी गवाही देना चाहता हूं, जिससे इससे आपके लिए लाभ हो सकता है। इसने मुझे लाभ पहुंचाया। हम तीन दिन की मछली पकड़ने के दौरे पर निकले, लियो और जीन और मैं खुद, और मेरा लड़का बिली पॉल और उसकी पत्नी, एक मित्र के यहां पहुंचे जो यहां आराधनालय में जॉर्जियो से आता है। और वे

हमें किसी दलदली जगह में ले गए, मैं नहीं जानता, कि अब वह कहां है, ओंकेचोबे के पास या इसी तरह से कुछ तो है, उन सोमिनोल इंडियन्स ने यह नाम उन्हें दिया है। लेकिन, जो भी है, हम बहुत मील पीछे थे।

37 और यह भाई इवांस, और उसका भाई एक पापी है। और वह बहुत अच्छा मछली पकड़ने वाला है, और वह वापस दलदल वाले स्थान में गया कुछ महीनों पहले। और वहां उन्हें जो वे कहते हैं "जमीन का जहरीला सांप" उन्हें मिला। और उस जहरीले सांप ने उसे काट लिया, और वह बस मुश्किल से जीते थे। उसकी बांह सूज गई, और वे उसे डॉक्टर के पास ले गए और उन्होंने उसको सुई लगाई। यह चीजें प्राणघातक होती है। वहां उनके यहां पीछे बहुत सारे बड़े मुंह वाले जहरीले सांप भी है, बड़े मुंह वाले जहरीले सांप, और मोकासिन सांप, बीस फीट लंबे मगरमच्छ।

38 जब वह हम वहां पीछे मछली पकड़ रहे थे, मैंने एक बहुत बड़ी मछली पकड़ी। और यह एक बहुत ही आराम का—का दिन था। और वह इतनी बड़ी थी कि मैं उसे पानी से बाहर ना निकाल पा रहा था, और इसने कांटे को सीधा कर दिया और करता गया, या अपने आप को खींचकर ढीला कर लिया। और हमारे पास बहुत सी बास नमक मछली थी, लगभग सौ या पचास पौंड की बड़ी–बड़ी बास मछली। और वे, उनमें से कुछ का वजन बहुत का पौंड था और चार से सात, आठ पौंड की थी। और मैंने यह बड़ी वाली मछली पकड़ी, और वह निकल गई।

39 और मैंने फिर से कांटा डाला, और मैंने—मैने एक और पकड़ी लगभग छ:, सात पौंड की। और मेरी एक पकड़ने की लंबी डंडी थी जिसे आपको लिली के पत्तों के ऊपर पकड़ना होता था। और भाई ईवांस के पास... पानी में चलने से हम सब गीले हो गए थे, क्योंकि यह दलदली था। और उसने अपने जूते उतार दिए और अपनी पेंट को ऊपर की ओर मोड़ लिया, और छोटे से सुखे स्थान में बैठा हुआ था, जैसे कि अपने कपड़े सुखा रहा हो। उसने झाड़ियों के आस पास बड़ी मछली के सरसराते हुए देखा, और मैं उसकी ओर बढ़ रहा था। उसने कहा, "एक मिनट भाई ब्रंहम, मैं इसे आपके लिए पकडूंगा।" और वह वहां से भाग गई। और मैंने इसे खींचा, यह समझकर कि मछली मरने वाली थी, पत्तों पर पड़ी हुई थी। और वह उसे उठाने के लिए दौड़ा। और जब वह दौड़ा उसने चीख मारी, और वह वापस आ गया। एक सांप ने उसे काट लिया।

40 और उसने इसे देखा, और उसके पैर पर वहां दातों के छेद के थे जहां सांप ने उसे काटा था, और उसे बहुत ही तकलीफ हो रही थी यहां तक कि उसकी आंखों में आंसू थे। कहा, कि लग रहा है कि उसकी हड्डियां लकवा ग्रस्त हो रही है। और हम लोग वहां पर थे, वहां बहुत मीलों पीछे दलदली स्थान में। वह एक भारी पुरुष है जिसे उठाना है। और जब सांप आपको काटता है, तो आप कुछ ही मिनटों में इतने बीमार हो जाते हैं इतना तक आप मरने पर हो जाते हैं। और लिओ वहां पर खड़ा हुआ था। और मेरे मन में कुछ आया कि, "तू अब भी परमेश्वर है!" और जब वह अपना पैर पकड़े हुए और उसे जकड़ रहा था, और दो बड़े–बड़े दातों के छेद वहां पर थे जहां सांप ने उसे पकड़ा था, और मैंने उस स्थान पर हाथ रखे और कहा, "प्रभु, तेरे वचन में यह लिखा है, 'वे सांप और बिच्छुओं के सिर को कुचलेंगे और उन्हें किसी भी प्रकार कि हानि नहीं पहुंचेगी।"' और इसी समय एकदम से, उसके पैर का हर एक दर्द चला गया। और अपने जूतो को पहना और सारा दिन मछली पकड़ी।

41 उस रात्रि जाकर उन लोगों को इस विषय में बताया, उन्होंने कहा, "अच्छा होगा कि तुम डॉक्टर के पास जाओ।"

42 उसने कहा, "यदि परमेश्वर ने मुझे अब तक सुरक्षित रखा है, तो वह बाकी में भी मेरी चिंता करेगा।" हमने तीन दिन मछली पकड़ी, कोई भी दुष्प्रभाव नहीं हुआ।

43 परमेश्वर अब भी परमेश्वर हैं। वह हर प्रतिज्ञा पूरी करता है। और मेरी सारी सेवकाई में, यह पहली बार था कि मैंने कभी देखा कि परमेश्वर सांप के काटे जाने पर आया, क्योंकि यह मुझे पहली बार हुआ था मुझे यह अवसर मिला कि किसी को सांप काटने पर प्रार्थना करूं। बस आपको बता दूं कि वह अपनी सारी प्रतिज्ञाओ को पूरा करता है, और उसके वचन भले और सच्चे हैं। आमीन।

44 स्मरण रखें सभाये आज रात्रि और इस आने वाले बुधवार को है। और अब किसी के लिए प्रार्थना करना है जिसे वास्तव में प्रार्थना की आवश्यकता है, वह मैं हूं। और याद रखे, भाई रॉबर्टस की सभा में जाए, जब ये नगर में होती है, और आराधनालय की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दें।

45 इसके पहले कि वचन पढ़े, मैं—मैं चाहूंगा कि हम अपने पैरों पर एक मिनट के लिए खड़े हो जाएं। और, बिना संगीत के आओ, हम एक या दो

समूहगान गाए इस पुरानी शानदार स्तुति गीत की पुस्तक से, *मेरा विश्वास तेरी ओर देखता है।* तो ठीक है, हर कोई अब मेरे साथ सम्मलित हो, और आओ हम इसे गाए। और मत सोचिए कि आप इसे कैसे गा रहे हैं, बस परमेश्वर की महिमा के लिए गाए। भाई नेविल, क्या आप इसमें हमारी अगुवाई करेंगे?

मेरा विश्वास तुझे देखता है,
तूझ कलवरी के मेमने को,
दिव्य उद्धारकर्ता;
अब जब मैं प्रार्थना करूं तो मेरी सुन,
मेरे सारे अपराधों को दूर कर दे,
ओह मुझे आज के दिन से
पूरा अपना बना ले!

जब जीवन की अंधेरी भूलभुलैया में मैं चलता हूं,
और शोक मेरे चारों ओर फैला है,
तू मेरा मार्गदर्शक हो जा;
अंधियारे को दिन में बदल दे,
दु:ख को मिटा, डर को दूर कर,
ना ही मुझे कभी भटकने दे
ना तुझसे दूर।

46 अपने झुके हुए सिरो के साथ, मैं बाईबल के पवित्र लेख में से पढ़ना चाहता हूं, संत मत्ती, 7वां अध्याय, 13वा और 14वा पद। और जब हम इसे पढ़ते हैं तो प्रभु अपनी बहुतायात सी आशीषे इस पर दे।

सकेत फाटक से प्रवेश करो: क्योंकि चौड़ा है वह फाटक, और चाकल है वह मार्ग, जो विनाश *को पहुंचाता है, और बहुतेरे हैं जो उससे प्रवेश करते हैं:*

क्योंकि सकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग, जो जीवन को पहुंचाता है, और थोड़े है, जो उसे पाते हैं।

47 आइये हम प्रार्थना करें। ओह जिसने प्रभु यीशु को मृत्यु और कब्र से फिर वापस लेकर आया, और उसे हमारे लिए इस प्रातः एक जीवित बलिदान के समान दिया, हम नम्रता से अपने जीवनो को आपको नए सिरे से समर्पित करते हैं, इन विचारों पर कि आप हमारी चिंता करते हैं। जबकि

हम अब भी पापी है, पाप और अपराधों में मरे हुए, आपने अपना एकलौता पुत्र भेजा, जिसे पापमय शरीर के रूप में भेजा, ताकि हमारे पापों का एक प्राश्चित बन जाए, वह निष्पाप, अपराधों के लिए दुःख उठा रहा है, ताकि हमें आपकी संगति में फिर से एक साथ मिला सके।

48 और, ओह परमेश्वर, यदि इस प्रातः हमारे मध्य में पाप है, कोई चीज हो सकता है पवित्र आत्मा को, परमेश्वर के संदेश को हमारे प्रत्येक के ह्रदयो में लाने से रोक रही हो, हम प्रार्थना करते हैं, नम्रतापूर्वक प्रभु, आप हमारे अपराधों को क्षमा करें। प्रभु यीशु के लहू से हमें शुद्ध करें। जिसे... हम स्वयं में जानते हैं, हम कुछ नहीं है, और हम स्वीकार करते हैं कि हम कुछ भी नहीं है। लेकिन आप पवित्र है, आप सत्य है, आप धार्मिकता है, आप वही दया का सोता है। और आज हम पश्चातापी प्राणों के नाई नम्रतापूर्वक वहां रेंगते हैं। जमैका और प्यूर्टोरिको से एक गवाही के रूप में अभी–अभी सामने आयी है, और जहाँ आपने ऐसे महान कार्य किए हैं, हे परमेश्वर, यह केवल उस एक के आगमन का चिन्ह है।

49 आपने भाई इवांस को उस सर्प के विष के डंक से किस तरह से छुड़ाया, क्योंकि वह एक विश्वासी था, और आपके वचन हमेशा सच होते हैं। अब, प्रभु, इस सुबह के उस मृत्यु के विष से हमें छुड़ाये, जहां शत्रु ने हमें काटा है और विषेला कर दिया है। इस सुबह आपका चंगाई देने वाला बाम, प्रभु, हमारी आत्माओं को परिपूर्ण करें और हमें सभी अधर्म से शुद्ध करें। भौतिक शरीरों की बीमारी को चंगा करें जो शत्रु की शक्तियों से टूट गए है। दिव्य उपस्थिति में जो कुछ भी है, होने पाए वे चंगे हो जाए।

50 अपने लिखित वचन के द्वारा अब हमसे बात करें, प्रभु। नहीं जानते हुए कि क्या कहना है, लेकिन तू इसे प्रदान करेगा। और आप हमें चेतावनी देते हैं, प्रभु, और हमें आपके आगमन के लिए तैयार करें। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं, और उसके कारण। आमीन।

51 मुझे हमेशा थोड़ी देर हो जाती है, क्योंकि मैंने अभी इंतजार किया है। और रविवार का स्कूल, मुझे लगता है, बाहर है। लेकिन इसके विषय में कुछ तो है, जब मैं घर आता हूं मुझे अब ऐसा लगता है कि मेरे पास काफी समय है। आप जानते है, हम वैसे भी बहुत जल्दी में होते हैं। तो, हम सिर्फ परमेश्वर पर विश्वास करेंगे।

52 हमारा प्रभु उसके पीढ़ी के लोगों को यह कड़ी चेतावनी दे रहा तथा, वे लोग जो बहुत धार्मिक थे। और उसने कहा, "सकेत है वह फाटक और सकरा है वह मार्ग जो जीवन को पहुंचाता है, और वहां थोड़े ही होंगे जो उसे पाएंगे।" अब, यह इसलिए नहीं था क्योंकि वे धार्मिक नहीं थे। वे बहुत ही धार्मिक थे। और क्योंकि उन्होंने आराधनालय पर भरोसा किया था और किसी मत–सिद्धांत और संप्रदाय में, और विश्वास किया था, (किसी सीमा तक) परमेश्वर में, उन्होंने सोचा हर एक चीज ठीक थी। लेकिन वह उनको बता रहा था कि थोड़े ही होंगे जो प्रवेश करेंगे।

53 और इस प्रातः मैं सोच रहा हूं यदि मैं उस पीढ़ी की तुलना इस पीढ़ी से नहीं कर पाता। देखिए, यह यहूदी समय काल की समाप्ति का पूरा होना था, और वह उन एक भिन्न–भिन्न का उल्लेख कर रहा था और भिन्न–भिन्न समय काल के समाप्ति का, और उन्हें बता रहा था कि वही बात जो पहले के समय काल में की गई वह उनसे भी पहले वालों में की गई। और वे इसे पहचानने में विफल रहे। और आइए हम उनमें से कुछ चीजों को देखें जिन के विषय में वह बोल रहा था।

54 वे, उदाहरण के लिए, यह विश्वास नहीं कर सके कि परमेश्वर उस मनुष्य में है। यह सबसे बड़ी रुकावट थी जिस पर उन्हें ऊपर आना था, कि कैसे एक मनुष्य होते हुए वह स्वयं को परमेश्वर बनाता है। वे यह नहीं देख सके कि कैसे परमेश्वर मनुष्य देह में, वास कर सकता है। और सारे युगों, और सारे समयो में परमेश्वर ने हमेशा मनुष्य में वास किया। मनुष्य परमेश्वर का प्रतिनिधी है। हर पीढ़ी में परमेश्वर लोगों से लोगो में मनुष्य के होठों के द्वारा बोलता है। वह हमेशा किसी को चुनता है या कुछ तो जिसे वह प्रयोग कर सकें।

55 और उसने उनका उल्लेख किया, ऐसी एक ठोकर की नाई, अब्राहम के विषय में। उसने कहा, उन्हें बताया, "यदि तुम स्वयं को 'अब्राहम की सन्तान,' कहते हो, अब्राहम जो तुम्हारा 'पिता है,' उसने मेरे दिन को देखा और देखकर आनंद किया। अब्राहम वो भविष्यवक्ता।" और कोई संदेह नहीं कि यीशु उन्हें उल्लेख कर रहा था कि उन्हें साबित कर रहा था कि वह मसीहा था, क्योंकि उसके पीछे–पीछे मसीह के चिन्ह आ रहे थे। और हर एक पीढ़ी में ऐसा ही होता आया था, वो, मसीहा का चिन्ह।

लेकिन फिर भी स्वयं को परमेश्वर बना रहा है, वह स्वयं मसीहा, जिसने उन्हें ठोकर खिलायी। वे इसे समझ ना सके।

56 अब, जब अब्राहम (जिसे उन्होंने अपना पिता कहा) परमेश्वर से मिला, वह भी देह में था, क्योंकि उसने बछड़े का मांस खाया, और मक्के की रोटी खायी (और दूध पिया) और मक्खन, अब्राहम की उपस्थिति में, और फिर भी वह परमेश्वर था। अब्राहम ने उसे पहचान लिया कि परमेश्वर है, और उसे "एलोहिम," कहकर पुकारा जो कि सर्वशक्तिमान यहोवा है। एक मनुष्य के कपड़े पहने हुए, और उसके शरीर पर धूल है, और पेड़ के नीचे, बैठा हुआ है, छाया के लिए और मांस खाता है और दूध पीता है। तब वे ठंडे, क्रूर ह्रदय के, स्वार्थी, धर्मी यहूदी उसका विश्वास नहीं कर सके कि परमेश्वर का पुत्र होगा, और अब्राहम को उनका पिता कह रहे थे। और वह उन्हें बता रहा था कि वह शरीर में उन्हीं कामों को कर रहा था, जो परमेश्वर ने दूसरे शरीर में किए जब वह उनके पिता अब्राहम से मिला। और अब्राहम ने इसका विश्वास किया। और वे इसका विश्वास ना कर सके।

57 आप देखते हैं, जब अब्राहम अपने तंबू में बैठा था क्योंकि यह उसने एक चुनाव किया था, और यह चुनाव हर व्यक्ति के सामने लाया गया जो इस संसार में जन्मा। भले और बुरे का वृक्ष हर व्यक्ति के सामने रखा गया। और जब लूत, उसका भतीजा, और उनके चरवाहों ने भूमि के लिए विवाद आरंभ कर दिया; अब्राहम ने धर्मी होने के नाते, उनसे कहा, "बस हमारे और तुम्हारे बीच झगड़ा ना हो। तुम जाने के लिए अपना मार्ग चुन लो।" यह स्थान हर एक विश्वासी के जीवन में आता है। और आज की प्रातः यह आपके सामने है, और यह मेरे सामने हैं।

58 लूत ने नहीं सोचा कि वह पिछड़ने जा रहा है, लेकिन वह आगे सादोम की ओर देख रहा था जहां चीजें बहुत आसान थी। और बहुत सी बार हम आगे आसान मार्ग की ओर देखते हैं। "मैं उस अमूक–अमूक कलीसिया का सदस्य बन जाऊंगा, और आप देखिए, इसके विरोध में कोई कुछ नहीं कहेगा, क्योंकि यह शहर की सबसे बड़ी कलीसिया है।" यह आसान मार्ग है! बहुत सी बार जब हम गलत होते हैं, हम ये करते है!

59 याद रहे, यदि आप मसीह का अनुकरण करते है, आपको लोगों के द्वारा घृणा किया जाएंगे, वे सब जो मसीह यीशु में भक्ति का जीवन व्यतीत करते हैं वे सताए जाएंगे। और यदि आप मसीह के पास आते हैं, तो आप

किसी कलीसिया के द्वारा या किसी संप्रदाय के द्वारा या किसी मतसार के द्वारा नहीं आएंगे। आप लहू के द्वारा आएंगे, केवल यही अंदर आने का एक मार्ग है। और आप किसी को अपने साथ नहीं ला सकते, आप अकेले आएंगे और अपने ही स्वीकृत पर खड़े होते हैं और अपने खुद के विश्वास पर। आप अपने पास्टर, या अपनी मां के विश्वास पर निर्भर नहीं हो सकते। जब आप परमेश्वर के पास आते हैं तो आप व्यक्तिगत आएंगे! और बहुत सी बार हम उन मूर्खताओं का चुनाव करते हैं।

60 आप यदि लूत, जब उसने हर चीज को आसान देखा... ? उसने देखा जहां पर बहुत पैसा था और बहुत लोकप्रियता थी, क्योंकि वह एक परदेसी होगा, और एक बुद्धिमान मनुष्य, शिक्षित, बहुत सारा मनोविज्ञान, और वह कुछ निश्चित चीजे कर सका और फिर भी अपने धर्म को बनाए रखा। उसने सोचा, "मैंने परमेश्वर में विश्वास किया है, इसलिए मैं सादोम में चला जाऊंगा और मैं—मैं कुछ और पैसा बनाऊंगा, और मैं एक बड़ा व्यक्ति बन जाऊंगा, संभव है शानदार प्रचारक।" देखिए, आपको एक चुनाव करना है।

61 और जनसाधारण को भी एक चुनाव करना होता है। "मैं वहां उस अमूक कलीसिया में जाऊंगा, ये, ओह, शहर में हर कोई सोचता है यही विशेष है! क्योंकि, शहर का मेयर इसी कलीसिया से है।" अब, वह इस कलीसिया से हो सकता है यह वास्तव में अच्छी बात है, लेकिन फिर भी आपको कलीसिया को और इसके लोगों को वचन के द्वारा जांचना है। बहुत सी बार वे जाते हैं क्योंकि यह लोकप्रिय मार्ग है, वे—वे लोग जो उन निश्चित स्थानों में जाते हैं अच्छे वस्त्र पहनते हैं। और यहीं है जहाँ पर हम एक—एक घातक गलती करते हैं। अब इस पर ध्यान दें।

62 और अब्राहम, केवल एक बात थी जो वो कर सका वह दूसरा चुनाव करें। और कभी–कभी दूसरा चुनाव पहले से अधिक अच्छा होता है, यदि इसे इस प्रकार लिया गया हो। ध्यान दें, अधिक समय नहीं हुआ था, कि लूत ने उस बड़े शहर को देखा, उसने अपनी पत्नी को नमक का खंभा बनते नहीं देखा, हालाँकि, उसने शहर को आग से जलते नहीं देखा। लेकिन अब्राहम ने प्रभु के थोड़े से ठुकराए हुओं के साथ मार्ग को लिया। वह रेगिस्तान में रुका रहा।

63 और, तब, भी क्या हो यदि साराह ने कहा होता... अब याद रहे, कि सारे राष्ट्र में साराह सबसे सुंदर महिला थी। साराह के समान कोई सुंदर

महिला ना थी। हर किसी ने उसे देखा, और उस से प्रेम में मोहित हो गये। अब, यह साराह के लिए कितना आसान होगा कि इस प्रकार के चुनाव को करें। लेकिन उसने अब्राहम के साथ रहने को चुना।

64 ओह, स्त्रियों, शैतान को आप लोगों को अंधा करने ना दो, लोकप्रिय होने के लिए *इससे और उससे* जुड़ते है। आप मसीह के साथ बने रहे! क्योंकि, समय निकट है, वो बड़ा विनाश आगे रखा हुआ है, सदोम और गमोराह से अधिक भयंकर, इस राष्ट्र के लिए। सदोम और गमोराह को इसके लिए श्रेय जाता है।

65 अब, जबकि अब्राहम ने वह मार्ग लिया जो उसे परमेश्वर के द्वारा दिया गया था, और उसके पास बंजर भूमी थी, वो बिल्कुल भी फला–फुला नहीं था। लेकिन फिर भी वो एक बात जानता था, कि उसने परमेश्वर की सेवा की और उसने परमेश्वर पर विश्वास किया।

66 सो एक दिन वहां तीन मनुष्य आए, उन पर धूल लगी हुई थी और थके हुए थे, और अब्राहम को उनके लिए खेद हुआ, उसने कहा, "यहाँ आइए और बस थोड़ी देर के लिए बतुल के पेड़ के नीचे बैठे।" और जबकि वह वहां उनसे खड़े होकर बातें कर रहा था, उसने पहचान लिया कि वे बस साधारण मनुष्य नहीं थे, उनकी बातों के द्वारा। वे भिन्न थे। और अब्राहम ने जाकर एक बछड़ा मारा और उसे तैयार किया, और साराह को रोटी बनानी थी और उन्हें खिलाने के लिए तैयार करनी थी।

67 अब याद रहे, उनमें से दो दूत थे, दूत मानव देह में, और उनमें से एक स्वयं परमेश्वर था। और वो एक जो परमेश्वर था अपनी पीठ तम्बू की ओर घुमा ली।

68 और साराह तंबू में रुकी रही। इसी प्रकार मैं स्त्री को अपने स्थान पर बने रहने को पसंद करता हूं, ना कि बाहर जाना और अपने पति को बताना कि क्या करना है, और हर बार कोई आता है। लेकिन वह तंबू में रुकी रही। कोई संदेह नहीं, हो सकता है बर्तन धो रही हो या कुछ कर रही हो।

69 और यह एक जो परमेश्वर था, वह सदोम की ओर निरंतर देखता रहा, उसने उन्हें बताया कि वह क्या करने जा रहा था। और दो दूत नीचे वहां सुसमाचार प्रचार करने गए। लेकिन एक पीछे रुक गया, ये ही वह था जो परमेश्वर था, और उसने कहा, "मैं अब्राहम से कुछ भेद छिपा ना रखूंगा जो मैं जानता हूं, क्योंकि वह इस संसार का वारिस होने जा रहा था।"

70 ओह, हमारे पास इस प्रातः एक अधिकार है, कलीसिया को, कि प्रभु के आगमन के भेद को जान लें। क्योंकि, "धन्य है वे जो शांति बनाए रखते हैं, वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे। धन्य है वे जो भूखे और प्यासे हैं, वे तृप्त किए जाएंगे। धन्य है वे जो मन के शुद्ध है, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे। धन्य है वे जो नम्र है, क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे।" तब, यदि जीवते परमेश्वर की कलीसिया धरती की वारिस है, तो उससे कोई भेद छिपा हुआ नहीं रहता है।

71 "सब जो पिता ने मुझे बताया, मैंने तुम्हें बता दिया," यीशु ने कहा। और वे उसका विश्वास ना कर सके।

72 सो अब्राहम के दिनों में, जैसा कि वह उनको उल्लेख कर रहा था, उसने कहा कि जैसे अब्राहम दूत से बातें कर रहा था, और उसकी पीठ तंबू की ओर थी, और उसने अब्राहम को बताया कि वह उससे बालक के साथ मिलने जा रहा था। और साराह, तंबू में हंसी। और उसने कहा, "साराह क्यो हंसी?" वह क्या दिखा रहा था? "साराह क्यों हंसी?" यह बस विनाश से कुछ ही घंटों पहले हुआ था, जब इस बात ने जगह ली। बस विनाश से पहले, कि आग आकाश से नीचे आकर और शहर को जला दिया, और यह चिन्ह दिया गया था।

73 और यीशु ने कहा, "तुम गलती करते हो," उन धर्मशास्त्र के विद्वान, धर्मी राष्ट्र के जहां व्यवहारिक रूप से लाखों विश्वासी थे। उसने कहा, "तुम भूल को करते हो, ना ही वचनों को ना ही परमेश्वर की सामर्थ को जानते हो।" उस पीढ़ी से जो इस प्रकार की थी, वे जो अच्छे प्रशिक्षित थे, वे जो विद्वान थे और कलीसिया को खड़ा किया। जब एक बालक उत्पन्न हुआ था, यह कलीसिया की संपत्ति थी। आपको इस्राईली एक होना था। आपके जन्म के आठ दिनो के बाद, खतना था, और आप आरंभ से ही एक इस्राएली थे। और लेवियो से याजक आया, जो कि सैकड़ों वर्षो से होते हुए, पवित्र वचन में प्रशिक्षित किए गए। फिर भी यीशु ने कहा, "तुम भूल करते हो, ना ही वचनों को जानते हो!" वे उन्हें अपनी खुद की शिक्षा की पुस्तकों में होकर उन्हें जानते थे, वे इसे उनके धार्मिक शिक्षा के द्वारा जानते थे, वे इसे उनके खुद के धर्मज्ञान के द्वारा जानते थे। लेकिन यीशु ने कहा, "तुम इन वचनों को नहीं जानते, ना ही परमेश्वर की सामर्थ को जानते हो। यदि तुमने अब्राहम को जानते, तो तुमने मुझे भी जाना होता। यदि तुम अब्राहम

की संतान होते, तो तुम मुझे जान गए होते, क्योंकि अब्राहम ने मेरे दिन को देखकर आनंद किया, क्योंकि उसने इस दिन को पहले ही देखा। जब मैं उसके सामने वहां पहले मांस के देह में खड़ा हुआ, और इसे किया, वह ये जान गया कि मैं था, और उसने मुझे 'एलोहिम' कहकर बुलाया। लेकिन यहां मैं उसी चीज को तुम्हारे सामने कर रहा हूं, और तुम मुझे 'बालजाबूल' कहते हो।"

"ओह," वे कहते है, "हमारे पास अब्राहम हमारा पिता है।"

"अब्राहम को अपना 'पिता' कहते हो? "

74 उसने कहा, "क्यों, हम, हम उस कलीसिया से संबंध रखते है। हम एक धार्मिक राष्ट्र हैं। हम महान लोग हैं। हम परमेश्वर के लोग है!"

यीशु ने कहा, "तुम शैतान हो, वह तुम्हारा पिता है।"

75 क्या मैं इस पीढ़ी वाली को उस पीढ़ी के समान समझूं, आज, जब वास्तव में लाखों लोग स्वयं को मसीही कहने का दावा करते हैं, और वे परमेश्वर के विषय में इतना नहीं जानते जितना वे होट्टेन्टोट मिस्त्र की रात के विषय में जानते होंगे। आज ऐसे बहुत से पुरुष और स्त्रियां है, वास्तव में लाखों है जो खुद को मसीही करते हैं जो मसीह का दावा करते हैं, जो उसके पुनरुत्थान की सामर्थ के पहले सिद्धांत को भी नहीं जानते, और उसकी भलाई को कभी भी नहीं चखा। उन्होंने उसकी सामर्थ का कभी भी अनुभव नहीं किया। सत्य के लिए उनकी आंखें अंधी है।

76 कहा, "तुम अंधे हो, अंधों की अगुवाई करते हो। क्या... वो... यदि अंधा, अंधे की अगुवाई करता है, तो क्या वे गड्ढे में ना गिरेंगे? "

77 फिर उन्होंने सोचा, "हम मसीही हैं। हम विश्वासी हैं। हम वहां की सबसे उच्च कलीसियाओ के सदस्य हैं। हमारे रब्बी सबसे अच्छे प्रशिक्षित विद्वान है।" और फिर भी यीशु ने उनको बताया कि वे यहाँ तक वचनों को जानते भी नहीं।

78 देखो कैसे इसे परमेश्वर ने बुद्धिमानो और ज्ञानवानो से छिपाया, और इसे बालको पर प्रगट किया ऐसे ही सीखेंगे? ओह, महान सामर्थ और परमेश्वर की अनंतता! वह उनके लिए कितना भला है जो उसके समक्ष सीधी चाल चलने की इच्छा रखते हैं! वह उससे कुछ भी भली वस्तु ना छिपा रखेगा।

79 और इस दिन को देखते हुए जब हमारे राष्ट्र, हमारा संसार, ठीक उसी चीज से भ्रष्ट हो चूका है!

80 यीशु उन्हें सही तरह से सीधा कर देना चाहता था। उन्होंने कहा, "ओह, अब्राहम हमारा पिता है। और हम महिमा में होंगे, इस विषय में आप चिंता ना करें, क्योंकि हम परमेश्वर में विश्वास करते हैं। हम प्रोफेसर लोग हैं, और हम परमेश्वर में विश्वास करते हैं, और हम अपने लोगों को सिखाते हैं। और तू कौन है जो यहां भेद भरे एक—एक छोटे पुराने चिन्ह के साथ आया है और इसे परमेश्वर कहने का यत्न कर रहा है? तू बालजबूल के सिवाए कुछ नहीं है।" आप वहीं पर है, उनके पास उनके मत–सिद्धांत और संप्रदाय थे।

यीशु ने उन्हें बताया, "तुम शैतान हो।" इस पर सोचे!

81 और मैं उस पीढ़ी को इसके समान समझता हूं, आज जब हमारे पास लाखो जुड़ने वाली कलीसियाये है, हमारे पास होने के लिए दसियों हजारो सदस्य है। और परमेश्वर फिर से अपनी कलीसिया में रहने को आता है, और उन्हीं कामो को करता है जो उसने वहां पर किये, कि अपने आप को, कल, आज और सर्वदा एक सा बनाये। और लोग निरंतर इसकी ओर पीठ घुमाते रहे है, कुछ लोकप्रिय होने के लिए, उनमें से कुछ अपने चुनाव को करने के लिए अलग हुए। इसने लोगों पर दबाव को लाया है! आपको अपने चुनाव को करना है। आप बीच में नहीं हो सकते। आपको या तो "हां" या "ना" कहना होगा। आप कभी भी उस द्वार को नहीं छोड़ेंगे उसी व्यक्ति को आपने भीतर लिया है। आप ऐसा नहीं कर सकते। आपको एक चुनाव को करना है। इस प्रातः मसीह के लिए इसे करना है।

82 उन्होंने सोचा हर एक चीज जो कलीसिया से संबंधित है बच जाएगी। यीशु ने कहा, "सकेत है वह फाटक, सकरा है वह मार्ग, और और परंतु थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे।"

83 कलीसिया इस प्रातः मैं आपको चेतावनी देता हूं, सावधान रहें। आज ये समय लेता है, हमारी अपनी धार्मिकता में, स्वयं निर्भरता ढोंगी लोगों की पीढ़ी जिसमें हम रह रहे हैं। वह घड़ी कि जब पुरुष और महिलाएं कलीसियाओ, और सीट में खड़े होते हैं, और परमेश्वर के गीत गा रहे होते हैं, और उस आराधनालय से बाहर निकलकर जाते है और सिगरेट पीते हैं, व्हिस्की पीते हैं, और नाचने के लिए जाते हैं, और—और संसार के लिए

जीते हैं, और गंदे, भद्दे चुटकुले सुनाते हैं और अपने आप को "मसीही" कहते है। जब पुरुष और स्त्रियां प्रचार मंच से या कलीसिया से आ सकते हैं, और पुनरुत्थान की सामर्थ के स्थान से, जहां वही मसीहा के चिन्ह उनके बीच में हो रहे हैं, और वे मसीह में नई सृष्टि नहीं बनते है तो तब वहां उसमें कुछ तो गड़बड़ है। जबकि अखबार इस खबर को छाप सकते हैं; और एक तट से दूसरे तट तक, यहाँ और वहां तक, उत्तर के जमे हुए क्षेत्र से दक्षिण के उष्ण जंगलो तक, परमेश्वर इसे भेजता है, और लोग निरंतर इससे पीठ को घूमाते रहे हैं। तब हम और क्या कह सकते हैं, हम क्या कर सकते हैं? हम वापस वचनों की ओर जाते हैं जहां उसने कहा, "सकेत है वो फाटक, और सकरा है वह मार्ग, और परंतु थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे।"

84 उसने कहा, "जैसा यह नूह के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" सुनना, नूह के दिनों में, संसार तब आज के जैसा अधिक जनसंख्या में था। उनका विज्ञान हमारे विज्ञान से अधिक था। उन्होंने नारसिंह मूर्तियों और पिरामिडो को बनाया और उन चीजों को किया जो आज हम नहीं कर सकते। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] बहुत ही आगे थे, बड़े–बड़े, बुद्धिमान लोग। और याद रखें, आज विज्ञान कहता है, "यह मध्य रात्रि के लिए एक मिनट है।" यह एक मिनट बचा है कि घड़ी मृत्यु के घंटे को बजाता है। यह हमारे सोचने के पहले होता है। मैं आशा करता हूं कि—कि पवित्र आत्मा हर एक विश्वासी के हृदय के अंदर इस बात को डाल देगा, "जैसे नूह के दिनों में था"!

85 नूह के दिनों में कितने बचे थे उस पीढ़ी में से? आठ, बहुत लाखों में से आठ जन। उसने कहा, "ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।"

86 "और जैसा ये सदोम के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" दसियों हजारों से अधिक में से वहां पर तीन बच गये थे।

87 तब आप मुझसे कहेंगे, "प्रचारक, उन हजारों के विषय में क्या है जो उसके साथ आने वाले हैं? " अब, भाई, वे तो बहुत सी पीढियों से होकर इतने बने हैं।

88 यदि इस पीढ़ी से दर्जन भी आते हैं तो मुझे आश्चर्य होगा। "सकेत है वह फाटक और सकरा है, वह मार्ग, परंतु वहां थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे।"

89 ओह, मैं कलीसियाओ को जानता हूं, वे क्या कहते हैं, "यदि आप अपना नाम किताब में डालते हैं और आप इसके एक सदस्य बन जाते है, *इसके,* आप ठीक है।" इस प्रकार का कोई वचन नहीं है। यदि हर चीज अपना नाम पुस्तक में डाल ले, और कलीसिया में—में, तो वहां करोड़ों गुना करोड़ों गुना करोड़ों होंगे, हर एक चीज उसमें चली जाएगी। तब हर प्रकार की आत्माएं वहां पर होगी, और स्वर्ग किस प्रकार की स्थिति में होगा? अब इस पर सोचे।

90 जैसे कोई मुझसे कहेगा, "अब एक मिनट रुकना, भाई ब्रंहम। *अमूक–अमूक,* मैंने उन्हें अन्य भाषा में बोलते सुना है, मैं जानता हूं वे इसे कर लेंगे।"

91 इसका मतलब यह नहीं कि वे सब इसे कर लेंगे। पौलुस ने कहा, पहला कुरुन्थियो 13 में, "यदि मैं मनुष्य और स्वर्गदूत की बोली बोलूं, और प्रेम ना रखू, तो मैं कुछ भी नहीं।"

92 "ओह, मैं *अमुक–अमुक* सभा में गया। ओह, उसने बड़े–बड़े सामर्थी कार्य किए। मैंने उसे अंधो को आंखें देते हुए देखा।"

93 फिर भी वह नाश हो सकता है। "उस दिन बहुत से लोग मेरे पास आएंगे और कहेंगे, 'प्रभु, क्या मैंने आपके नाम से प्रचार नहीं किया, भविष्यवाणी नहीं की? क्या आपके नाम में मैंने दुष्टआत्माओ को नहीं निकाला? क्या आपके नाम से, मैंने बहुत से बड़े–बड़े कार्य नहीं किए? ' वो कहेगा, 'मेरे सामने से दूर हो जा, तुम अधर्म के कार्य करने वालों, मैंने तुम्हें कभी जाना भी नहीं।'" "सकेत है वह फाटक, और सकरा है, वह मार्ग थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे।"

94 मैं आपको कुछ गिनती गिना दूं ये आपको हिला देंगे। शिकागो के शहर में मेडिकल विज्ञान के अनुसार, डॉक्टर के गणना के अनुसार, कि केवल शिकागो में ही तीस दिनों में तीस हजार गर्भपात के मामले आये है, जो डॉक्टरों ने किए। कितने लोग इन छोटी–छोटी गोलियों और इत्यादि को लेते हैं गर्भपात के लिए?

95 गिनती दिखाती है, कि संयुक्त राज्य में, कि वहां पवित्र विवाह के उपरांत के बालकों से अधिक अवैद्य बालक जन्मे है। क्या आप जानते हैं कि बाईबल ने व्यवस्थाविवरण 14:12 में कहा, कि "अवैद्य बालक, इस चीज को खत्म होने के लिए चार सौ वर्ष लगेंगे"? उनकी संतान की संतान की संतान की

संतान की संतान वे प्रभु की सभा में नहीं खड़े हो सकते है, चार सौ वर्ष, दस पीढ़ियां। एक पीढ़ी में चालीस वर्ष होते है। उनके दादा के दादा के दादा के दादा के दादा के दादा के दादा के दादा अवैध संतान थे, वो दृश्य से बाहर है! अब क्या? मुझे दिखाएं यह कब बदला था।

96 हम क्या करने आते हैं? और अब अवैधता, जो व्यभिचार के कारण है, और पापी स्त्रियां जो पुरुषों के समान वस्त्र पहने सड़कों पर होती है, जो परमेश्वर की दृष्टि में घृणित बात है, धूम्रपान करने वाले, शराब पीने वाले, कहलाने वाले नाम के मसीही है। ऐसे वैश्याओ के झुंड को परमेश्वर वर्जित करता है! यह सही बात है। फिर स्वयं को मसीही कहते हैं? कोई आश्चर्य नहीं यीशु ने कहा, "सकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग, परंतु थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे।"

97 वे अपने आपको नम्र नहीं करेंगे। वे घमंडी है। देखो, जब दाऊद को उसके पाप के विषय में बताया गया, जो उसने किया था, उसने तुरंत ही प्रायश्चित किया, और इसके लिए परमेश्वर ने उससे प्रेम किया। आप उनको उनके पापों के विषय में बताएं, वे कहेंगे, "मैं कभी भी द्वार को फिर से अंधकार नहीं करूंगा।" क्यों? उनके पास जाने के लिए बहुत से स्थान है, जहाँ वे उन अवैध निजी कमरे में जा सकते है वे ऐसी को धारण करेंगे। लेकिन यह समय है कि प्रचारक लोग परमेश्वर के सारे हथियार बांध ले और बिना किसी समझौते के सुसमाचार के वचन को प्रचार करें। पुरुषों को अपने आपको नम्र करना चाहिए।

98 मसीही लोगों के मध्य में अब सच्चाई नहीं रही। वे कहना चाहते है, "मैं एक मैथोडिस्ट हूं, मैं एक बैप्टिस्ट हूं, मैं एक पेंटीकोस्टल हूं," परमेश्वर को *इससे* कोई मतलब नहीं है। [भाई ब्रंहम चुटकी को बजाते हैं—सम्पा।]

99 "मैं अन्य भाषाओं में बोलता हूं, मैं अद्भुत कार्यो को करता हूं।" हम सारा जोर इसी पर देते हैं, जबकि यह सबसे अधिक अन्धा करने वाली चीजें हैं जो वे कर सकते है। निश्चय ही। वर्षा जैसे धर्मी पर वैसे ही अधर्मी पर गिरती है। वर्षा फसल को वैसे ही सींचती है जैसे वह जंगली झाड़ी को सींचती है, राय। वही वर्षा, वाही पवित्र आत्मा लोगों के ऊपर गिरता है। इसका अब भी कोई अर्थ नहीं... उनका स्वभाव भीतर और बाहर भिन्न है। ना ही बाहरी प्रगटीकरण या प्रमाण, लेकिन जीवते परमेश्वर की अंदर की

आत्मा जो व्यक्ति को एक नई सृष्टि बनाता है, वह परमेश्वर के समक्ष उस पुरुष के ह्रदय को या महिला के ह्रदय को नम्र करता है।

100 आप कहते हैं, "प्रचारक, मुझे बताने का आपका यह अर्थ है कि लाखों लोगों में से दर्जन लोगों पर संदेह है या संसार के चार सौ करोड़ लोगो में से? " मुझे संदेह है क्या दर्जन लोग ही होंगे जो रेपचर में जायेंगे। इस पर सोचे! मैं आपको बता रहा हूं जो यीशु ने यहाँ सुसमाचार में कहा। इस पर सोचे!

101 इससे क्या पाया है? क्योंकि लोगों के मध्य में अनैतिकता आ गई है, और अवैद्य बालक जन्म लेना आरंभ हो गए, जो उन्हें धब्बा लगा देता है। देखिए, हम यहां घंटों खड़े हो सकते हैं, इन चीजों को सामने रखते हुए, और आप देख सकते हैं कि हम लोग भ्रष्ट, घिनौनी, जड़ से सडी हुयी लोगों की पीढ़ी में जी रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं वे कोई चिह्न नहीं देख सकते, कोई आश्चर्य नहीं वे सुसमाचार को नहीं सुनना चाहते, वे कठोर हो गए है, फिर भी उतने ही धार्मिक और भक्त।

102 क्या यीशु ने यह नहीं कहा, "आत्मा प्रगट रूप में कहता है कि, अंत के दिनों में, वे ढीठ, घमंडी, परमेश्वर से अधिक सुखविलास के चाहने वाले, धोखेबाज, असंयमी, झट क्रोध करने वाले, भले के बैरी, भक्ति का भेष धरते हैं"? समझे? ओह, निश्चय ही आप चिल्ला सकते हैं। आप अन्यजुबानो में बोल सकते हैं, निश्चय ही। विश्वास शैतानो को निकाल देगा, निश्चय ही। लेकिन यह वह नहीं है जिसके विषय में हम बात कर रहे हैं।

103 तब आप मुझसे कहेंगे, "भाई ब्रंहम, एक मसीही का क्या चिन्ह है? कौन बचेगा? क्या आप, भाई ब्रन्हम? " इसके लिए मैं परमेश्वर पर भरोसा कर रहा हूं। मैं नहीं जानता। मैं विश्वास कर रहा हूं कि मैं हूं। मैं प्रतिदिन अपने जीवन कि तुलना वचन के साथ कर रहा हूं। यदि यह इस वचन से मेल नहीं खाता तो फिर कुछ तो गलत है, मुझे वापस जाकर और ठीक करना है।

104 "अच्छा, " कहते हैं, "भाई ब्रंहम, जब लोग अन्य जुबान में बात करते हैं, इसका अर्थ यह नहीं कि वे बच गए? " नहीं, श्रीमान! बिल्कुल भी, नहीं! मैंने जादू–टोने करने वालों को अन्य जुबान में बोलते सुना है, सब प्रकार की बकवास बातें। मैंने लोगों को अन्य जुबान में बात करते देखा है और दूसरे पुरुष की पत्नी के साथ रहते है। मैंने लोगों को अन्य जुबान में बात

करते देखा है, ऊपर–और–नीचे कूदते है ऐसे चिल्लाते देखा है कि जैसे घर में आग लग गई हो, और बाहर जाकर और धोखेबाजी करते है, और चोरी करते, झूठ बोलते, और सब कुछ करते है। भला आप कैसे इसकी उम्मीद करते हैं? नहीं, श्रीमान।

105 कलीसिया से संबंध, कलीसिया में डिकन, और इतने भक्त जितना हो सकते हैं। क्यों, आप सोचते हैं कि वे रविवार को पेट्रोल खरीदेंगे? नहीं। लेकिन सोमवार को कुछ ऐसा करेंगे जो गंदा और सड़ा और नीचा हो। परमेश्वर हृदय में रहता है, ना कि बाहर, यह कुछ ऐसा है जो हृदय से आता है।

106 "सकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग, और लेकिन थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे।" जैसा कि यह नूह के दिनों में था, उन लाखों में से आठ; जैसा कि यह सदोम के दिनों में था लाखों में से तीन; ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।

107 ओर आप भ्रष्टाचार को देख रहे हैं जिसमें हम रह रहे हैं। आप देखते है किस तरह से हर एक कल्पना, मनुष्य, वह वहां जाता है और शैतान बुद्धिमान प्रचारक को बनाता है पुलपिट पर खड़े होकर और इसके द्वारा लोगों को लेता है।

108 एक दिन एक व्यक्ति ने कहा, "मैं आपको अपने पुलपिट पर नहीं लूंगा, आप हमारी महिलाओं को पागल कर देंगे।" नहीं, वे तो पहले ही वैसी है। यह उन्हें उनकी सही मन की स्थिति में ले आएगा, उन्हें वहां बताएं कि इन कपड़ों और इत्यादि को पहनना बंद कर दें। और, भाई किसी को तो यह करना ही है।

109 मैंने अपनी पत्नी से कहा, "क्या मैं अपने आप मैं सनकी हूं? क्या मैं पागल हूं? या, मेरे साथ क्या मामला है? " कुछ अंदर है जो कि शांत नहीं रह सकता। मुझे यह बताना ही है, मैं परवाह नहीं करता कि कौन क्या कहता है।

110 कहते है, "आप अपनी सेवकाई को बर्बाद करने जा रहे है।" कोई भी सेवकाई, जिसे सुसमाचार नष्ट करेगा, नष्ट होना चाहिए।

परमेश्वर ने हमें हिम्मत दी है कि जो सत्य है उसका पक्ष ले और उस विषय में सत्य को बताएं! यह पाप है, एक शर्म की बात है!

111 "साकेत है वह फाटक," यीशु ने कहा "और सकरा है वह मार्ग।" और आप जो लाखों लोग सोचते हैं, और आप सारे मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, पेंटीकोस्टल अंदर जा रहे है, उस दिन आप मूर्ख बन जायेंगे। यीशु ने कहा, "बहुत से आएंगे और राज्य में बैठेंगे, कहते हैं, 'यहां होना मेरा एक अधिकार है।'" उसने कहा, "लेकिन राज्य की संतान उन्हें बाहर कर देगी। वहां रोना और विलाप करना और दांत पीसना होगा।" आज सुबह यह अच्छा होगा कि सूचीबद्ध हो जाए, मसीह। वहां दस गुना लाखों गुना करोड़ों कहलाने वाले मसीही होंगे और उनके जीवन में कठोरता है, जो फाटक से चूक जाएंगे। यीशु ने ऐसा कहा।

"कितने अंदर जा रहे हैं? "

112 मैं नहीं जानता कि कितने जा रहे हैं। केवल इतना हो कि, "मैं भी उनमें से एक बनू!" ऐसा ही है। वह न्यायी है। "मैं भी एक बनू।"

113 आप कहते है, "भाई ब्रंहम, आप तब कैसे बता सकते हैं जबकि एक मसीही? "

114 मैं नहीं जानता। लेकिन मैं आपको बता दूं कि वचन क्या कहता है। निश्चय ही आप विश्वास करते हैं। जब पवित्र आत्मा को धरती पर भेजा गया था, परमेश्वर पवित्र आत्मा के द्वारा बोला। उसने एक दूत को पहले आगे—आगे भेजा। और उसने कहा, "नगरों से होकर जाओ, और लोगों के मध्य में, और उनके माथो पर छाप को लगाओ, उन पर जो घृणित बात के कारण चिल्लाते हैं, उन चीजों को सुधार कर रहे हैं।"

115 घृणित बात किया है? एक स्त्री जो ऐसे वस्त्र को पहनती है जो पुरुष से संबंध रखता है। यह परमेश्वर को बीमार सा कर देता है। क्या आप कभी वहां पर गए हैं जहां कुछ तो घृणित हो? यह आपको कैसा बीमार सा कर देता है! आप खड़े नहीं रह सकते। एक स्त्री जो ऐसे वस्त्र पहनती है, जो पुरुष से संबंध रखते हैं इसी प्रकार से यह परमेश्वर को महसूस करवाता है; आप समूह गान में गा सकते हैं, आप प्रति दिन प्रार्थना कर सकते हैं, प्रति दिन चिल्ला सकते है, या परमेश्वर के लिए हर एक दिन जी सकते है, आप परमेश्वर की उपस्थिति में दोषी ठहरते है। बिल्कुल यही है, जो वचन कहता है। "एक घृणित बात!" और वे जो ऐसों को पकड़े रहते हैं ऐसों के साथ आप भागीदार होगे।

116 परमेश्वर हमें ऐसो के विरुद्ध खड़े होने के लिए अनुग्रह दे। यदि आपको अपने आप से खड़ा होना पड़े, तो वहां खड़े होकर और परमेश्वर के वचन को अपने हाथों में थामे रहे। यह कभी भी असफल नहीं होगा।

117 अब हम ऐसे एक दिन पर आ गए हैं, जहां, लोगों के घृणित काम है। और दूत फिर से मोहर करने के लिए निकल पड़ा है। मुझे जेफरसनविले में एक व्यक्ति ढूंढ कर बताओ, यदि आप जानना चाहते हैं कि इसे कौन करने जा रहा है, हमारे शहर में से मुझे एक व्यक्ति ढूंढ कर बताओ, जो विलाप करता और रोता है, जो निरंतर परेशान रखता और टूटा हुआ है और घृणित बात के लिए प्रार्थना कर रहा हो जो कि शहर में हो रहा है। क्या आप अपना हाथ उठा सकते हैं और उस व्यक्ति पर रख सकते हैं? तब इस पवित्र वचन को ले "साकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग, जो जीवन की ओर ले जाता है, थोड़े ही है जो उसे पाएंगे।" वही केवल वे लोग है जो मोहर किए गए थे।

118 ओह, मैं आपको बहुत से लोगों को आराधनालय जाते दिखा सकता हूं। मैं बहुत से लोगों को समूह गान में गाते दिखा सकता हूं। बहुत से लोगो को संडे स्कूल में सिखाते हुए दिखा सकता हूं। मैं बहुत से लोगों को दिखा सकता हूं जो बड़े–बड़े संस्थाओं के प्रधान है। मैं बहुत लोगों को को चिल्लाते हुए दिखा सकता हूं, बहुत से जो अन्य जुबानो में बोलते हैं, बहुत से जो सुसमाचार का कार्य करते हैं।

119 लेकिन मुझे एक दिखाएं जो अपने ह्रदय में संसार के पापो के लिए बहुत ही दुखित हो! मुझे एक प्रचारक दिखाएं जो आज खड़ा हो सकता है और उन संप्रदायों को दोषी ठहराये। मुझे एक प्रचारककर दिखाएं जो खड़ा हो और उन बातों को कहे, और उन सम्प्रदायों को दोषी ठहराए। अच्छा होगा कि वह ना करे, उसे लात मारकर बाहर निकाल दिया जाएगा, यही तो उसके भोजन का साधन है।

120 कोई आश्चर्य नहीं बिली ग्राहम ने जैक मूर को बताया, कहा, नहीं देखते कि मेरी सभाये कैसी होती है, कहा, "वह ना तो बैपटिस्ट है, ना ही मैथोडिस्ट या पेंटीकोस्टल है।" कहा, "वे सारे मेरे विरोध में है।" निश्चय ही, मैं यह नहीं कह रहा कि... कारण कि मैंने कहा, मैं इसे आम लोगों में नहीं कह सकता। मैं इसे अपनी ही कलीसिया में कहता हूं। मैं एक संघर्ष कर रहा हूं, क्योंकि मुझ पर परीक्षा की घड़ी है।

121 वे कहते है, "यदि आप आएंगे, तो यह अच्छा होगा, लेकिन आप इस विषय में कुछ भी ना कहें।" आप केवल अपनी सांस को वैसे ही बचा सकते हैं।

122 मैं वही प्रचार करूंगा जो परमेश्वर ने प्रचार करने के लिए कहा! यह सही बात है। उनमें से आठ लोग कहीं पर तो होंगे। उनमें से एक कहीं पर तो होगा। लेकिन उस दिन पर मैं इस बात को कहने के लिए दोषी नहीं होना चाहता कि मैंने समझौता किया किसी मत–सिद्धांत के कारण या किसी कलीसिया की शिक्षा के लिए, या किसी संप्रदाय के लिए। मैंने सत्य को प्रचार किया है!

123 वे कहते हैं, "आप क्यों नहीं, क्यों आपकी सेवकाई नहीं, भाई ब्रंहम, जो कि बहुत महान दिखाई पड़ती है, ये क्यों नहीं इस सारे राष्ट्र पर छा जाती है जैसे ये दूसरे पुरुष कर रहे हैं? "

124 यह वहां पर ठीक है, ऐसा ही है। मैं शहरों के अंदर जाता हूं, क्या आप सोचते हैं कि असेंबली ऑफ गॉड मेरे साथ सहयोग करेंगे? ना ही जो मैं विश्वास करता हूं वे नहीं करते। कभी तो एक मिल सकता हैं। आप सोचते हैं मैथोडिस्ट करेंगे? कोशिश करके, और पता करें। एक सप्ताह के लिए मेरे प्रबंधक बने। यदि आप अन्दर जाते हैं, तो आप यीशु के नाम में अंदर जाएंगे। यह सही बात है।

125 ओह, निःसंदेह, वे आपको वहां लें जायेंगे, निश्चय ही, वहीं कहीं किसी स्थान पर वे आपको लें जाते है, और सो कि आप उनमें से किसी भी प्रकार इस तरह से सम्बन्ध ना रखें। और तब जब आप छोड़ कर जाते हैं, वे कहते है, "ओह, अब, भाई ब्रंहम एक प्रकार से अपने दिमाग से सही नहीं है, जरा सा, आप जानते हैं। वो... "

126 यदि मैं दिमाग से ठीक नहीं हूं, तो फिर बाईबल अपनी शिक्षा देने में सही नहीं है। यही है जो बाईबल ने कहा! जी हां, श्रीमान। ध्यान दें!

127 यीशु ने कहा, "तुम क्यों मुझे 'बलजबूल' कहते हो? तुमने सुलेमान का विश्वास किया, उसके विचारों के परखने का उसका चिन्ह। तुमने उसके दिन का विश्वास किया। दक्षिण की रानी पृथ्वी के दूसरे छोर से आई, कि उस दान को देखें, और जब उसने देखा तो इसका विश्वास किया। और तुम बैठ कर और इसे हर रोज देखते हो, और इसका विश्वास नहीं करते।"

128 और उसके अपने भाइयों ने उसका विश्वास नहीं किया। कहा, "तू पर्व में जाते हो," उसने कहा, "लेकिन मैं अब वहां नहीं जाता।" वह दूसरे मार्ग से वहां पर गया, क्योंकि उसके अपने भाइयों ने उसका विश्वास नहीं किया। यह ठीक बात है। "सकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग, और लेकिन थोड़े ही है जो इसे पाएंगे।"

129 जब यह चेलों के पास आया, बल परीक्षा के लिए, वे कहां पर थे? एक महिला और पुरुष उसके साथ क्रूस के पास खड़े थे, यूहन्ना और मरियम। और बाकी सब चले गए थे।

130 यह बल परीक्षा थी। यह वो समय है। यह तब है जब परमेश्वर कार्यों को कर रहा है। यह तब है जब मसीहा धरती पर था। यह तब था जब परमेश्वर की सामर्थ उसके लोगों में कार्य कर रही थी। और वे उन्हें "पवित्र शोर मचाने वाला, पागल, सनकी," कहते है, ओह, इसी तरह से। लेकिन समय यहां है!

131 वहां निश्चय ही न्याय पर कुछ बहुत बड़ी निराशाये होने वाली है।

132 ओह, शराब बेचने वाला, वह जानता है, कि न्याय के दिन वह कहां पर होगा। वैसे ही शराब पीने वाले जानते हैं कि वह कहां पर होने जा रहा है। वैसे ही वैश्य भी जानती है कि वह कहां खड़ी होगी। वैसे ही जुआरी भी जानता है कि वह कहां खड़ा होगा। वैसे ही पियक्कड़ भी जानता है कि कहां खड़ा होगा। वह निराश नहीं होगा।

133 लेकिन निराशा कहां होने जा रही है, वे लोग जिन्होंने सोचा कि वे सही थे। यही है जहां निराशा होती है। "जब वे वहां पहुंचते है तो, कहा, 'निश्चय ही, हमने तेरे नाम से शैतानो को निकाला। हम लोग प्रचारक हैं। हम अमूक–अमूक कलीसियाओं से संबंध रखते है। हमने बड़े–बड़े आश्चर्यकर्म किए हैं। ओह, हमने प्रचार किया! क्यों, मैं एक—मैं कलीसिया में एक प्रबंधक था। मैं बिशप रहा था। मैं *यह* रहा था।' मुझसे दूर हो जाओ, तुम अधर्म के काम करने वालों, मैं तुम्हें कभी जानता भी नहीं।" आप वहीं पर है। यही निराशा है। उसने कहा, "उनके बच्चो के बच्चे अंदर आएंगे और राज्य में बैठेंगे कहेंगे, 'हमारा यहाँ पर होने का अधिकार है,' और वे बाहर अंधकार के अंदर डाल दिए जाएंगे, वहां पर रोना, और बिलखना और दांत पीसना होगा।" "सकेत है वह फाटक, सकरा है वह मार्ग, जो जीवन को जाता है, वहां थोड़े ही जो इसे पाएंगे।"

134 आप, मेरे प्रिय लोगों, इस सुबह इसे सुनना। मैंने इसे कभी नहीं बनाया। मैं इसे बताने के लिए जिम्मेदार हूं। बस यही है मैं इस के लिए जिम्मेदार हूं। यदि मैंने अपने जीवन में कभी दूसरा उपदेश प्रचार नहीं करता हूं, तो यही सत्य है: थोड़े से ही लोग बचने जा रहे हैं। बस इसे याद रखें: बस बहुत ही थोड़े। आप उनमें से एक होंगे।

135 "वे कौन है, भाई ब्रंहम? " मैं नहीं जानता। कोई भी और नहीं जानता। हम हमारे उद्धार के काम को डरते और कांपते हुए करते हैं।

136 लेकिन आपको परमेश्वर के साथ पंक्ति में होना होगा। यदि आपका ह्रदय उस बाईबल के साथ नहीं धड़कता, तो फिर कुछ तो गलत है, वहां कुछ तो गड़बड़ है। कोई फर्क नहीं पड़ता आपकी कलीसिया क्या कहती है, आप उसके द्वारा अंदर नहीं जा सकते। आपको तो जो परमेश्वर ने कहा उसी के द्वारा अंदर जाना है। यही वो पुस्तक है जिसके द्वारा आपका न्याय होगा, यह बाईबल। इसके साथ बने रहे!

137 "ओह," आप कहते है, "अच्छा, मेरा तो यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा हुआ है।" यह सही है, यही बाईबल है। लेकिन यदि जीवन इसके अनुसार नहीं होता है, तो इससे बपतिस्मा लेने से आपका अधिक भला होने वाला नहीं।

138 आप कहते हैं, "भाई, मैंने पवित्र आत्मा पाया है।" यह अच्छा है, यही तो आपको करना चाहिए। लेकिन यदि वहां जीवन नहीं है तो!

139 याद रखें, झाड़ी ने भी वही सामर्थ पाई जो गेहूं पर उतरी ताकि उसे बढाए, इससे जंगली झाडी भी चिल्लाई। वह पुरानी छोटी जंगली झाड़ी सीधी खड़ी हुई और वैसे ही आनंदित हुई जैसे कि गेंहू। यह ठीक बात है, उसी जीवन के द्वारा जीवित है। और एक पापी परमेश्वर की उपस्थिति में बना रह सकता है, विजय को चिल्लाता है, और मसीही के समान जीता है। लेकिन यदि वहां ह्रदय में कुछ तो भिन्नता नहीं है तो! उसके पास भी वही सामर्थ हो सकती है कि दुष्ट आत्माओ को निकाले। यीशु ने ऐसा ही कहा। वह सुसमाचार उतनी ही अच्छी तरह प्रचार कर सकता है जैसा कि कोई दूसरा प्रचारक कर सकता है। बिल्कुल ठीक यीशु ने ऐसा ही कहा है। बाईबल यह सिखाती है। जी हां, श्रीमान। "यदपि मैं मनुष्यो और स्वर्गदूतो की बोली बोलूं, यदि मैं अपनी देह बलिदान के समान जलाने को दे दूं, और मैं अपनी सारी संपत्ति निर्धनों को खिला दू, और मेरे—मेरे पास विश्वास हो कि

पहाड़ों को हटा दू, मैं ये सारी चीजे करूं, मैं उसके नाम में प्रचार करूं, उसके नाम से शैतानो को बाहर निकालूं, " उसने कहा, "मैं कुछ भी नहीं।" इसलिए, वह इसे कर सकता है, और "कुछ भी नहीं।" समझ गये?

140 अब, जो चीज करनी है, अपने ह्रदय से, एक मसीही बने, अब सकेत फाटक से प्रवेश करो। क्योंकि, चौड़ा है वो मार्ग जो विनाश को पहुंचाता है, और इस विश्वासियो की पीढ़ी के लाखों गुना लाखों वहां इसमें जाएंगे। क्योंकि, सकेत है वह फाटक, और सकरा है मार्ग, बस आप और मसीह अकेले।

141 "सकरा है वह मार्ग जो जीवन को पहुंचाता है, और थोड़े ही हैं जो इसे पाएंगे।" अब, यही हमारे प्रभु के वचन है। ओह! वो क्या कर रहा था? वहां पर खड़ा हुआ, उनके विचारों को परख रहा था।

142 और उसने कहा, "वह बालजबूल है। वह, कैसे परमेश्वर हो सकता है? वह एक मनुष्य है! यह बुद्धि कहां से आई? " उन्होंने यह उसके अपने शहर में कहा।

143 जब आप इस शहर में चलते हैं, यह ऐसा प्रतीत होता है... मैं यह आप लोगों से किसी अपमान के लिए नहीं कहता हूं; आप मसीही हैं, आप मुझसे प्रेम करते हैं। आप इस शहर में चलते हैं, यह ऐसा प्रतीत होता है कि शैतान की सामर्थ ने आप को गिरा दिया। यह स्थान दोषी हो गया है। शहर दोषी हो गया है।

144 बिली ग्राहम ने क्या कहा जब उसने लुईसविले में प्रवेश किया? उसने कहा यह "स्थान प्रेत शक्ति से भरा हुआ स्थान है" जो उसने कभी अपने जीवन में देखा था। इसे अखबार में दिया गया, कहा, "आप बस शैतान के दबाव को महसूस कर सकते है।"

145 निसंदेह, में इसे महसूस करता हूं। क्यों? यह मेरा अपना घर है। जब यीशु अपने घर वापस आया, उसने कहा उनके अविश्वास के कारण, वह बहुत से सामर्थी कार्य नहीं कर सका। कहा, "एक भविष्यव्यक्ता अपने नगर में सम्मान नहीं पाता, एक प्रचारक जब तक वह अपने खुद—अपने खुद के देश में ना हो, अपने अपने ही लोगों के मध्य में।" देखा? आप कुछ नहीं कर सकते, वचन ऐसा ही कहता है। समझे?

146 अब, जब आप इस शहर में चलते हैं! और मुझे ना बताएं मैं नहीं जान पाऊंगा। मैं उन लोगों के पास जाता हूं जो मुझ से हाथ मिलाते और कहते,

"ओह, भाई ब्रंहम, मैं आपसे प्रेम करता हूं।" और आप जानते हैं कि यह झूठ है! आप जानते है यह झूठ है। यदि परमेश्वर मुझे ह्रदय के विचार बता सकता है, तो वह मुझे यह क्यों नहीं बता सकता?

147 निश्चय ही, और ठीक यहाँ शहर में आपके अपने ही लोगों के बीच में! जब वे आपको देखते है, कहते है, "तो, आप जानते है, मैंने देखा है जहाँ एक अमूक–अमूक... "

"कहां? यह कहां पर था? "

"वहां तक... "

"हुंह! हम उस व्यक्ति को जानते हैं!"

148 आप इसे महसूस करते हैं। मैं आपको बता दूं आप किसी को अपने घर में आने दे जो आपको अधिक पसंद नहीं करता, आपके घर में थोड़ी देर बैठता है और आप उस विचित्र भाव को महसूस करेंगे। उसे अब चौदह हज़ार से गुणा कर दे, तब आप समझ जायेंगे कि मैं क्या बात कर रहा हूं। तब आप उस स्थान पर आएंगे जहां सब आप से प्रेम करते हैं, वह स्वागत की अनुभूति को, बस, ओह, और आप बस वहां सदा तक रुक सकते हैं, देखो। यही है, देखो, यह एक आत्मा है। और लोग नहीं जानते कि यह क्या है, वे सोचते हैं कि क्यों लोग इतने भ्रष्ट हो गये है।

149 क्या चीज उन महिलाओं को को करने को लगाती है, क्या चीज उन महिलाओं को को करने को लगाती है कि उन अशोभनीय या भद्दे कपड़ो को पहनकर और वहां बाहर जाती है? कौन करवाता है, यहाँ तक अब भी जबकि मौसम ठंडा है, छोटी सोलह वर्ष की लड़कियां वह ऐसे कपड़े पहनती है, जो उन्हें अपनी मां के सामने नहीं पहनना चाहिए, और बाहर सड़कों पर जाती है? यह इसलिए है, ना ही वो बालक (वह बालक कुछ भी अच्छा नहीं जानता), लेकिन क्योंकि कुछ प्रचारक पुलपिट पर अपने कर्तव्य में बने बने रहने में असफल हो गये है। यह बिल्कुल सही बात है। निश्चिय ही। स्त्रियां सड़क पर जाती है, और पुरे कामुक वस्त्रों में और इस प्रकार चीजे पहनती है, और पापी लोग उनकी ओर देखते हैं और नहीं जानते कि वह असल में उतनी ही दोषी है जितना वह उस पुरुष के साथ रह रही है। यीशु ने ऐसा कहा! यीशु ने कहा, "जो कोई किसी स्त्री की ओर कामुकता की दृष्टि डालता है, वह उसके साथ अपने ह्रदय में व्यभिचार कर

चुका है, और उसे न्याय के दिन पर उसका उत्तर देना होगा।" सकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग!

150 मैं जानता हूं कि आप सोचते हैं मैं कठोर व्यक्ति हूं। मैं कठोर नहीं हूं! मैं आपका भाई हूं, और मैं आपसे प्रेम करता हूं।

151 उस आने वाले क्रोध से भागो! क्रूस की ओर जाकर और रोये जब तक आपका ह्रदय उसकी आत्मा से ना भर जाए, यह संसार की हर एक चीज से आपकी पीठ को घुमा देगा, और उसके सामने भक्ति के साथ चलेंगे, उसके लिए आपके जलते हुए ह्रदय के साथ। प्रेम! ना कि कर्तव्य निभाना। मसीह कोई कर्तव्य निभाना नहीं, मसीह की सेवा करना, यह एक प्रेम है जो मसीह की सेवा करता है। यह आप पर जोर डालता है, आपको विवश करता है, इतना तक आपके जीवन की हर एक धडकन उसके साथ धड़कती है। यही जब आप पाप को देखते हैं।

152 और वह धरती पर रोया। इसने नूह के दिनों में परमेश्वर को शोकित किया, जब उसने ह्रदयो को देखा। और यीशु पहाड़ बैठा, और कहा, "येरूशलेम, येरूशलेम, मैंने कितना चाहा कि मैं तुमको छिपा लूं, परंतु अब तुम्हारी घड़ी आ गई और तुम्हारा घर तुम्हारे लिये उजाड़ छोड़ा जाता है।"

153 ऐसा ही परमेश्वर के पुत्र के आने के दिनों में होगा, वास्तविक सच्चे विश्वासियो के ह्रदय टूट गये है। वो अब ठीक अभी देखता है कि बेदारी इस देश में तेजी से फ़ैल रही है। उन विधि के विरुद्ध झुंडों के द्वारा यह कैसे हो सकता है? यह कैसे हो सकता है, जबकि वे आरंभ से ही दोषी है?

154 परमेश्वर का राज्य एक मनुष्य के समान है जिसने समुद्र में एक जाल को डाला, और, जब उसने खींचा तो उसे कछुआ, छोटे–छोटे कछुये, सांप, मेंढक, कुछ मछलियां मिली थी। उसने यह तय नहीं किया था, कि कौन आएगा, उसने तो बस किनारे पर फेंका। यही है जो सुसमाचार करता है। यही है जो बिली ग्राहम, ओरल रॉबर्टस, स्वयं मैं, और दूसरे सारे प्रचारक जो सुसमाचार को प्रचार कर रहे हैं, इसे वहां पर फेंकते हैं, और इसे अंदर खींचते है, "प्रभु, यहां ये लोग हैं।" लेकिन हर बार हम क्या कर रहे हैं? हम देखते हैं, इससे पहले कि आप फिर से वापस जाए, वे फिर से सीधे तालाब में वापस चले जाते हैं। यह क्या है? आरंभ से ही कछुआ है। इसने उसको नहीं बदला, सुसमाचार के जाल में पकड़ा गया। वह आरम्भ से ही कछुआ था। वह आरम्भ से ही छोटा कछुआ था। वह

आरम्भ से ही एक सांप था। वह इसके पहले कभी कलीसिया में आता वह एक ढोंगी था। उसको यहाँ तक शराब और जूआ छोड़ने की इच्छा भी नहीं थी, और धूम्रपान करना और झूठ बोलना, और चोरी करना। वह बस इसलिए अंदर आया क्योंकि वह नर्क से डरा हुआ था। जब आप ऐसा करते हैं तो, आप अपने आप को इसका और अधिक उम्मीदवार बनाते हैं। यह सत्य है। "सकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग, बहुत थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे।

आइये हम प्रार्थना करें।

155 प्रभु, ओह, मुझे जांचे, प्रभु। मेरी अवस्था को ठीक अभी परखे, प्रभु। मुझे आपके सामने न्याय में ना आने दीजिये, इस प्रकार के प्रचार करने के बाद। ओह, यदि मुझ में कोई अशुद्ध बात हो, प्रभु, कृपया, इसे बाहर निकाल दे! हम उस दिन को देखते हैं जिसमें हम जी रहे है, जब पुरुष और स्त्री बहुत ढीठ होते जा रहे है। वे अपमानित है। एक बार आपने कहा, "सिय्योन की पुत्रियों में से यहां तक कि लज्जित भी नहीं है।" उनकी शालीनता उनसे इतनी दूर कर दी गई है यहां तक कि वे अब लज्जित भी नहीं होती है। ओह प्रभु, इस पर सोचे! और जानते हैं कि उस ओर घड़ी टिक–टिक बज रही है, बस एक या दो मिनट और, और महा विनाश आए जायेगा, तो उसके बाद जो मलिन है वह मलिन रहे।

156 परमेश्वर, आज प्रातः हम सबको जगाये। प्रभु, हमें हिलाए! हम चिन्हों को प्रगट होते हुए देखते है। हमने यह जानने के लिए अपनी आंखें खोल ली है। प्रभु, हम लाखों, लाखों को देखते है, जो अपनी पीठ मोड़ कर और चले गए। मैं सोचता हूँ, मैं क्या कर सकता हूं, हे प्रभु? क्या कोई और बात है, प्रभु? यदि इसके लिए अधिक प्रचार करना है, अधिक प्रार्थना, कोई भी बात और अधिक करना है, प्रभु, मेरी सहायता करें ताकि मैं लोगों तक संदेश को ला सकूं। मैं क्या कर सकता हूं? लेकिन वे निरंतर इसका अस्वीकार करते हैं। आप अपने बड़े–बड़े को चिन्ह करते है और अपने आश्चर्य कर्म को दिखाते है, और फिर भी लोग आगे चले जाते है। क्या यह आपके वचन का अवश्य ही पूरा होना है, क्या ये ही वो समय है "कोई मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता जब तक पिता उसे ना खींच ले, और वे सब जिसे पिता ने मुझे दिया है मेरे पास आएगा"? प्रभु परमेश्वर, इस प्रातः प्रदान करें कि लोग

जाग जाये और धरती के इस अंतिम चिन्ह को देखे। परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप लोगों को कुछ तो प्रदान करेंगे।

157 इस प्रातः यहाँ इन थोड़े लोगों को आशीषित करें। परमेश्वर, भाई नेविल से आरंभ करें, प्रभु। उसके शरीर को चंगा करें। वह इस प्रातः बीमार है, प्रभु, पेट में तकलीफ है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आपका चंगा करने वाला हाथ उस पर होगा। उसके प्राण को उत्तेजित करे।

158 परमेश्वर, इस सभा के लोगो के बीच जाए। यहां पुरुष और स्त्रियां बैठे हुए हैं जिन्हें मैं हो सकता है कभी फिर से अपने जीवन में ना देखूं, उस न्याय के दिन तक, तब मुझे अपने हिसाब को देना होगा। लेकिन मैंने आपका वचन पढ़ा है, "सकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग, और लेकिन थोड़े हैं जो इसे पाएंगे।" हे प्रभु, ऐसा होने दे "थोड़े," उनमें से कुछ, प्रभु, क्या आप करेंगे? यह हर एक व्यक्ति को यहाँ प्रदान करें।

159 मैं एक मनुष्य के समान प्रार्थना कर सकता हूँ। प्रभु, ये लोग मेरे लिए कुछ भी करेंगे जहां तक मेरी सहायता करने की बात आती है। यदि मैं भूखा था, ये मुझे खिलाते। यदि मुझे सूट की आवश्यकता होती, वे इसे खरीद लेते। वे मिलकर जाते, और मेरे लिए कार खरीदते कि सुसमाचार का प्रचार करूं। वे इस प्रकार से कुछ भी करते। हे पिता, इस प्रात: इनके प्राणो को जांचे, कृपया करें, और वे लोग इसे आपके सामने जाँच करे। मैं नहीं जानता, मैं भरोसा करता हूं कि इनमें से हर एक जन उन चुने हुओं में है। और मुझे भी, वहां रखे, प्रभु। और यदि वहां मुझ में ऐसा कोई कारण हो जिससे कि मैं वहां पर नहीं होऊंगा, प्रभु, तो इसे आप मुझ पर प्रगट करे, मैं उसे ठीक अभी ठीक कर लूंगा। प्रभु, मैं निश्चित होना चाहता हूं, कि उस प्रातः कि वहां नदी पर कोई परेशानी नहीं हो। मैं उस दिन जाना चाहता हूं। मैं नहीं जानता कि ये कब होगा, ये आज भी हो सकता है। इसलिए, जानने के लिए मेरी सहायता करें, इन लोगों की जानने में सहायता करें।

160 और जब हम अपने हृदयो को बेपरवाह देखते हैं! ओह, हम रेडियो पर अच्छे संदेश को सुन कर आनंद लेते हैं, या कलीसिया में जाते है। हम अच्छे संदेश की सराहना करते है। हम यीशु के विषय में कहीं पर बोलने में सोच–विचार नहीं करते। लेकिन, प्रभु, क्या ये पाप हम पर इतना बोझ डालता है, और इससे हमारी आंखों से आंसू निकल आते हैं, आहे भरते है और रोते है और इसके विरुद्ध खड़े होते हैं, हर चीज वह घृणित काम जो

शहर में हुआ है? प्रभु, परमेश्वर का दूत हम पर इसे देखें, और हमें मोहर करें। प्रभु, इसे ग्रहण करें।

161 हे प्रभु यीशु अभी आ, और हमारे ह्रदयो को तैयार कर और अपने सच्चे चिन्ह को हमें दे कि तू हमारे मध्य में है, ताकि हम जान सके कि हम अंतिम चिन्ह को प्राप्त—प्राप्त कर रहे हैं, इस पीढ़ी के अंत होने से पहले।

162 और हम अशुद्धता को देखते है, जब वे पुरुष राष्ट्र में रह रहे हैं और दूसरे पुरुष की पत्नी से बालक को जन्म दे रहे है, और—और सड़कों पर छोटी–छोटी लड़कियां, हर वर्ष विद्यालयों से सैकड़ों छोड़ जाती है और नवयुवतियां मां बन रही है, और कोई आदर भाव नहीं, और किस प्रकार से वे स्त्रियां अपने आप में विषैली होती जा रही है, धूम्रपान करने के द्वारा और—और शराब पीना, और टेलीविजन और आदि के द्वारा जिससे कि बच्चो के दिमाग भ्रष्ट होते जा रहे है। हे प्रभु, यह कब तक स्थिर रह सकता है? और आप, एक पवित्र परमेश्वर!

163 ओह पिता, मैं—मैं आज अजीब सा अनुभव कर रहा हूं कि कुछ तो अवश्य ही बहुत जल्द किया जायेगा, प्रभु। मैं नहीं जानता कि क्या कहूं, लेकिन मैं प्रार्थना करता हूं, प्रभु, कि आप हमारे ह्रदयो में डालेंगे कि क्या करें। प्रभु, इन बातों को प्रदान करें। हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

164 समय निकट है। हर समझदार व्यक्ति जिसके पास तर्क है, जानता है कि कुछ तो घटित होने को है। इस ईमारत में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं है जो उसके पास सही दिमाग में हो, लेकिन जानता है कि यह संसार ऐसी स्थितियों में स्थिर नहीं रह सकता।

मित्रों, हम स्थिर नहीं रह सकते। कोई एक चीज नहीं है, जैसा कि आपका पास्टर और आपका भाई, आज प्रातः कोई भी चीज नहीं है कि जिसकी ओर मैं आपकी अगुवाई करूं सिवाये यीशु मसीह के। ऐसी कोई एक चीज नहीं है जिसे मैं जानता हूं। उन बातों के विषय में सोचे जिनके होने की भविष्यवाणी की गई है, रेपचर के जगह लेने से पहले, हर एक चीज जिसे मैं जानता हूं पूरी हो गई है।

165 आप कहते हैं, "पशु की छाप के विषय में क्या है? " वह तो महासंकट में आना है। तब तो कलीसिया चली जाएगी। इन्हें छाप नहीं करना होगा, ये तो जा चुके होंगे, देखा। छाप लगाना अभी जारी है। छाप लगना आगे दर्शा

रहा है, उस दाग को। जल्द से परमेश्वर की ओर भागे, उसके पास तुरंत ही भाग कर जाए!

166 मैं इस प्रातः सोचता हूं, जब कि हम यहां कुछ एक मिनट के लिए प्रतीक्षा कर रहे है। और मैं आपके जैसा ही महसूस कर रहा हूं। मैं—में आपकी भावनाओं को अनुभव कर सकता हूं, आपमें से सोचने का प्रयास कर रहे है, "हे परमेश्वर, मुझे जांच लीजिये!" इसी प्रकार से मैं भी महसूस करता हूं। मैं अनुभव करता हूं कि ये इस प्रकार के संदेश है जो लोगों के बीच लोकप्रिय नहीं होंगे, मित्रों। आप ही उन्हें बुरा बनाते है और आप–... आप—आप इन्हें तुच्छ ठहराते हैं। किसी को तो यह करना है। मैं सोचता हूँ काश कि ऐसा होता था हो सकता है कोई और होता। लेकिन यदि यह करने के लिए मेरे भाग में आया, यदि मुझे स्त्रियों को साफ़ करना है, तो मुझे साफ़ करने दें। यदि मैं... दाऊद ने कहा, "बजाए इसके कि तंबू में पाप के साथ होता, मैं परमेश्वर के भवन के द्वार पर पड़ा पैर पोंछने वाला होता।" यह ठीक बात है। परमेश्वर आपसे जो भी करवाना चाहता है, उसे करो। तो शर्माए नहीं। यदि वहां...

167 और, स्मरण रखें, मैं जानता हूं यही एक महान बात है। कहते है, "भाई ब्रंहम, आप कहते हैं कि केवल आठ प्राण बचेंगे? "

168 मैं नहीं जानता कि कितने बचेंगे, मैं आपको नहीं बता सकता। लेकिन मैं आपसे एक बात कहता हूं: वे बहुत थोड़े होंगे, इस प्रकार से एक दिन में। जरा सोचिए, उस दिन जहां पर वो था, कितने लोग बचे थे। नूह के दिन के लिए सोचिए, और लूत—लूत के दिन के लिए, और वे सारे, उसने कहा, "ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा, क्योंकि सकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग।" आप देखते है, आप उसमें अपने आप जाते हैं, उसके साथ, और बस ऐसा ही है। समझे? "और परंतु थोड़े ही है जो इसे पाएंगे।" कितने ये विश्वास करते हैं कि यही सुसमाचार की सच्चाई है? यीशु मसीह ने ऐसा कहा, "थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे।" बस बहुत ही थोड़े। आप उन थोड़ो में से एक हो बने। मैं जानता हूं यह कठिन है, यह सख्त है। और यह कहने में मुझे जोर लगता है आपके प्रति मानवीय प्रेम को महसूस कर रहा हूं, लेकिन परमेश्वर का प्रेम मुझे विवश करता है कि मैं आपसे कहूं।

169 अब, वही पवित्र आत्मा जिसने अब्राहम के दिनों में कार्य किया, मसीह के दिनों में कार्य किया, उन्ही चीजो को करने की प्रतिज्ञा यहां भी है। वो यहां पर है। अब, यदि मैंने आपको सत्य को बताया है, तो परमेश्वर उस सत्य के लिए बाध्य है।

170 यदि मैं अपने शब्दों को पूरा ना करूं, तो मैं अपने शब्दों का व्यक्ति नहीं। यदि आप अपने शब्दों को पूरा ना करो, तो आप अपने शब्दों के व्यक्ति नहीं। अब, मैं आपसे कुछ तो प्रतिज्ञा कर सकता हूं और मैं पूरा भी नहीं कर सकता हूं, लेकिन—लेकिन मैं आकर आपको बताऊंगा। यदि आपका मुझ पर कुछ कर्जा है, और आपसे छिपता हूँ, तो मैं एक ढोंगी हूं। यदि मैं आकर आपको बताता हूं, "मुझ पर आपका कर्जा है, लेकिन मैं भुगतान नहीं कर सकता लेकिन मैं जो कर सकता हूं पूरे यत्न से करूंगा," तो आप मुझे क्षमा करते हैं और मेरी सहायता करते है। समझे?

171 हम सब परमेश्वर के कुछ ना कुछ कर्जदार हैं। हम उसका जीवन रखते हैं। हम आओ इस विषय में ईमानदार हो जाए। बाहर निकलकर और कहते है... ऐसा ना कहे, "ठीक है, अब देखिए, मैं—मैं प्रेसबीटेरियन हूं। मैं मैथोडिस्ट हूं। मैं पेंटीकोस्टल हूं। मैं चर्च ऑफ गॉड से हूं। मैं नाजरीन हूं। पिलग्रीम ऑफ होलीनेस।" ऐसा मत सोचिए! वहां नर्क में लाखों जन होंगे। आप मसीह में मसीही बने।

172 कितने कहेंगे, "भाई ब्रंहम, मुझे अब अपनी प्रार्थना में याद रखे, मैं उठना चाहता हूं?" परमेश्वर आपको आशीष दे।

173 प्रभु, आप इनके हाथ को देखते हैं। वह घड़ी यहां हैं, वो महान पवित्र आत्मा ने इस प्रातः इस भवन में सन्नाटा कर दिया है। मैं आपकी उपस्थिति का अनुभव करता हूं। मैं अनुभव करता हूं कि आप अपने वचन के आदर के लिए यहां पर है, "मुझ प्रभु ने इसे लगाया है, और मैं इसे दिन और रात सिचुंगा, कहीं कोई इसे मेरे हाथ से छीन ना ले।" आपने अपना वचन उद्देश्य को पूरा करने को भेजा, और प्रभु, यह—यह तो इसे करना ही है। वचन कहता है कि आप कल, आज और युगानुयुग एक से है।

174 वे आपके दिनों में इसका विश्वास नहीं कर सके, वे लोग विश्वास नहीं कर सके कि पवित्र आत्मा आप में है। और आपने स्वयं को (मनुष्य होते हुए) परमेश्वर बनाया, जो कि, आप कुंवारी से जन्मे परमेश्वर के पुत्र थे जो यहां धरती पर हमें हमारे पापों से छुड़ाने आया। और क्योंकि

उन्होंने देखा कि परमेश्वर का आत्मा आपमें था, उन्होंने इसका अंतर करने का यत्न किया। और आपने उन्हें बताया, प्रभु, "यह मैं नहीं जो कार्य करता है, यह मेरा पिता है जो मुझ में वास करता है। वह कार्य को करता है। यदि तुम अब्राहम को अपना 'पिता' कहते हो। अब्राहम ने मेरे दिन को देखा।" निश्चय ही, उसने देखा, जब वह उसके समीप खड़ा था उसको यह कार्य और चिन्ह करते देखा। "उसने मेरा दिन देखा और आनंदित हुआ।" कहा, "तुम भूल करते हो, ना ही वचनों को जानते हो, ना ही परमेश्वर की सामर्थ को जानते हो, कैसे परमेश्वर एक कुंवारी पर छाया कर सकता है, और एक पुत्र को उत्पन्न कर सकता है (कुंवारी के द्वारा जन्मा) और अपनी सामर्थ की परिपूर्णता में स्वयं वास करता है, जो उस एक मनुष्य में है।"

175 और कैसे वह उस शरीर से उसी लहू ले सकता है जिसे उसने एक बलिदान के रूप में दिया, और एक लोगों को पवित्र किया ताकि स्वयं उनमें वास कर सके, और जीवन के अंत होने तक अपने कार्य को निरंतर बनाए रखा! हे परमेश्वर, लोगों ये देखने के लिए जगाये। इसे प्रदान करें। प्रत्येक को जिन्होंने अपने हाथ ऊपर उठाये है उन्हें बचाये। उनके ह्रदयो को शुद्ध करें। प्रभु, मेरे हाथ ऊपर है। मुझे शुद्ध करें, हे प्रभु। यह एक सुधार का घर है। यह वह स्थान है जहां हमें धूल जाना चाहिए। पवित्र आत्मा आज प्रातः हमें धो दें, और अशुद्धता से हमें शुद्ध करें।

176 हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि कोई भी व्यक्ति सिवाये आपके पवित्र आत्मा के भरे बिना एक व्यक्ति भी यहां से ना जाए। होने पाए कि एक भी भावना बाहर से ना हो जब यह घटित होता है। परंतु, प्रभु, अंदर जाकर, खोल को उतार दे और हमें दिखाएं कि हम क्या है, प्रभु। इसे ग्रहण करें। और तब अपने पवित्र आत्मा से भर दे, उस ह्रदय के साथ जो सच्चा और अशुद्ध है। और पीड़ाओ के और कठिन परीक्षाओं के इस समय में, आप हम में मिठास और प्रेम में बढ़ते जाए जब हम आपके साथ–साथ चलते हैं, उस दिन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जब आंसू हमारे गालो पर बहते है, शहर के पापों के लिए, होने पाए पवित्र आत्मा नीचे देखें और कहे कि, "वहां एक है जिसे मैं मोहर कर सकता हूं वह मेरा है, वह मेरी है।" प्रभु, इसे प्रदान करे। होने पाए ये हमारे मध्य में पाया जा सके। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

जब दिन के अंत में मैं नदी के पास आऊं,
और दुःख का अंतिम हवा का झोंका बहने लगे;
वह कोई तो प्रतीक्षा कर रहा होगा जो मुझे मार्ग दिखाएगा,
मुझे यर्दन को अकेला पार ना करना होगा।

मुझे यर्दन को अकेला पार ना करना होगा,
यीशु मेरे पापों से मुझे छुड़ाने को मरा;
जब मैं अंधकार को देखता हूं, वह मेरी प्रतीक्षा कर रहा होगा,
मुझे यर्दन को अकेला पार ना करना होगा।

177 अब मैं उसे जानना चाहता हूं। बहुमूल्य प्रभु, मेरा हाथ थाम लीजिये, मेरी अगुवाई करें, मुझे खड़ा होने दे। मुझे यहां खड़ा होने दे, प्रभु, हर उस बात के विरोध में जो गलत कहलाती है, हर चीज जो गलत दिखती है। मैं चिंता नहीं करता कि कोई क्या कहता है, प्रभु, मुझे खड़ा होने दे। जब मैंने वो सब कर लिया है, जो मैं कर सकता हूं, तो मुझे खड़ा रहने में सहायता करें। मेरा हाथ पकड़ कर और मुझे इसमें से हो कर निकाल लीजिये, प्रभु। कुछ कीजिये, मुझे खड़ा होने दे। जब वे चीजें आती है, और इस संसार का धन और इसका सब दिखावा और इसकी तड़क–भड़क; जो इसके लिए, मेरी आंखें अंधी कर देती है, मैं केवल उसी को देखूं जो मेरे लिए मरा। यदि मुझे मेरे मित्र को छोड़ना पड़े, यदि इसकी मुझे कोई भी कीमत चुकानी पड़े जो मेरे पास है; यह मेरे लिए कुछ मायने नहीं रखता, मैं सब कुछ इस वेदी पर छोड़ता हूं। यही है, मुझे ईमानदारी से खड़ा होने दे। और किसी दिन जब सांस मेरे विरुद्ध चलने लगे, और मैं जान जाऊं कि मेरा ह्रदय रुक गया और मेरे दिन समाप्त हो गए, और मेरा समय पूरा हुआ और मेरा कार्ड अलमारी से निकाल लिया गया, तब मैं यर्दन को अकेला पार नहीं करना चाहता। वो वहां पर होगा। जी हां। जब मैं अंधियारे को देखता हूं, वह वहां मेरी प्रतीक्षा कर रहा होगा, मुझे यर्दन को अकेला पार नहीं करना। यदि मैं उसके लिए अब खड़ा होऊंगा, वो तब मेरे लिए खड़ा होगा। मैं उसके लिए जीऊंगा जो मेरे लिए मरा, मेरा जीवन तब कितना आनंदित होगा। मैं इसी प्रकार से खड़ा रहना चाहता हूं।

178 मैं समझता हूं यहां कुछ लोग बीमार है। क्या उसने कोई कार्ड दिए हैं?

मैं भूल गया। क्या उन्होंने कार्ड दिए हैं? क्या कोई कार्ड दिए गए हैं? किसी के पास प्रार्थना के कार्ड है? नहीं।

179 मैं बस पवित्र आत्मा के लिए रुका हुआ हूं। यदि आप केवल विश्वास करें, बस विश्वास रखे, संदेह ना करें। यदि परमेश्वर मुझे आप लोगों की परेशानी को प्रकट करेगा... यह जो भी है, मैं नहीं जानता; यदि आप अपने हाथ को उठाते है, आप मुझे नहीं जानते और मैं आपको नहीं जानता। तब यदि परमेश्वर यहां इसे प्रगट करेगा, क्या आप विश्वास करेंगे कि यह वही दूत था जो विनाश होने के थोडा पहले वहां उस संदेश को लाया था, यह वही दूत होगा जो अब एक और विनाश से पहले ठीक अभी ला रहा है। क्या आप ये विश्वास करेंगे? यदि आप करेंगे, तो अपने हाथ ऊपर उठाएं। ठीक है। ठीक है, होने पाए प्रभु इसे प्रदान करें।

180 वह मेरे पास बैठा हुआ है। यहां एक और मेरे पास बैठा है, ये श्रीमती स्नीडर यहां पर है, या तो यह श्रीमती मर्फी यहां पर है, उनका क्या नाम है, यहां पर बैठी है। मैं उन्हें जानता हूं।

181 मैं इस पुरुष को नहीं जानता, यह मेरे लिए अपरिचित है। लेकिन परमेश्वर उसे जानता है। यदि परमेश्वर इसे अब प्रगट करे, आप में से कितने जानते हैं कि यह नहीं है...

182 मेरी ओर ना देखे। ओह, मैं एक केन्टकी के गाँव का हूं, जहां तक इसका संबंध है। यहां तक कि मुश्किल से मेरे—मेरे पास पर्याप्त शिक्षा भी नहीं है, कि—कि मैं अपने नाम को लिखूं। लेकिन एक बात जो मैं जानता हूं कि, मैं उसे जानता हूं। और बस यही है—यही है जिसको मैं जानता हूं कि मन में रखूं। अब, मेरी व्याकरण कैसी है इस पर कोई ध्यान ना—ना दें।

183 और इस प्रातः आप सोच सकते हैं कि मेरा उपदेश लीक से हट कर है और आदि–आदि, एक बार आप इसे बाईबल के साथ पंक्ति बद्ध कर करके और देखें क्या आप ठीक निशाने के बीचो–बीच नहीं है। देखिए यदि आपका दूरबीन निशाने पर नहीं लगी है जब आप—जब आप इसे वहां रखते हैं। इसे अपने विचारों के साथ ना मिलाए, लेकिन जो उसने कहा है उसके साथ मिलाएं। "सकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग, और बहुत थोड़े होंगे जो इसे पाएंगे; क्योंकि चौड़ा है वह मार्ग जो विनाश को पहुंचाता है, और चौड़ा है फाटक, और बहुत से होंगे जो इसमें जाएंगे,"

लाखों गुना लाखों इसमें जाएंगे। संभव है लाखों में एक इस मार्ग पर आएगा। आप वहीं पर हैं। यही है जो उसने कहा। अब, उसने कभी भी इसकी गिनती नहीं बताई, परंतु उसने कहा, "जैसा नूह के दिनों में था, आठ प्राण। जैसा ये सदोम के दिनों में था, तीन लोग।" सारा कुछ मिला कर, आग से तीन बचे। ये ऐसा ही होगा!

184 अब, यदि कोई वास्तव में आत्मिक है, मैं चाहता हूं कि आप इस पुरुष को देखे जो यहां बैठा है, वह मुझे लगातार देख रहा है जितना वो देख सकता है। उसने हाथ को उठाया है, मैं उसे नहीं जानता; इसे कभी नहीं देखा; और मैं उसके विषय में कुछ नहीं जानता। वह बस वहां बैठा हुआ मेरी ओर ताक रहा है। लेकिन, देखिए, वह सम्पर्क बना रहा है, वह प्रार्थना कर रहा है। अब, यह ठीक बात है। अब, यदि प्रभु मुझे बताएगा... वह व्यक्ति मुझसे दूर बैठा है, और यह हमारी पहली मुलाकात है, और वह वहां बैठा हुआ है। यदि प्रभु मुझ पर प्रगट करेगा कि वह क्या—वह क्या है... मैं—मैं उसे चंगा नहीं कर सकता। मैं नहीं करता, मैं यह नहीं कर सकता, क्योंकि परमेश्वर ने इसे पहले ही कर दिया है। लेकिन यह आपके विश्वास को बढ़ाएगा। अब हर कोई देखता है, वह ठीक यहां पर है, बिल्कुल वही आत्मा। और याद रखें, यीशु ने यह प्रतिज्ञा की है, अंत समय से पहले। यह हमेशा एक अंतिम चिन्ह रहा है।

185 उस दिन, लियो और मैं सड़क पर बैठे हुए थे, और हम में से कुछ बातें कर रहे थे। और मुझे आभास हो रहा था कि एक बदलाव आ रहा है, एक बदलाव आ रहा है। जब हमने इसके विषय में बात की, यह मेरी सेवकाई का बदलाव नहीं होगा, क्योंकि यह इससे और अधिक नहीं हो सकता, लेकिन यह मुझ में बदलाव होगा। मैं हमेशा से कमजोर व्यक्ति रहा हूं और बस लोग मुझे अगुवाई करते और मुझे मार्गदर्शन करते है और *इस* ओर और *उस* ओर भेजते। यदि मैंने वह कुछ किया होता जो प्रभु ने मुझे बहुत समय पहले बताया, तो मैं परेशानी में नहीं होता जो मैं आज हूं। मैं अगले सप्ताह परमेश्वर के संग अकेला रहूंगा। जी हां, श्रीमान। मुझे—मुझे अवश्य ही स्वर्ग से सुनना है। मैं एक कमजोर व्यक्ति नहीं होना चाहता, मैं अपने खुद के दृढ़ विश्वास पर खड़ा होना चाहता हूं।

186 वह मनुष्य, यह निरंतर ठीक उसके पीछे आ रहा है, वह ठीक वहां पीछे बैठा है, क्योंकि वह मनुष्य विश्वास कर रहा है, वह वास्तव में विश्वास कर

रहा है। मैं हर कहीं सभा के लोगो को देख रहा हूं, और यह ठीक सीधा उस मनुष्य के ऊपर आ रहा है। वो आवश्यकता में है, उसके पास बोझ है, लेकिन उसका बोझ किसी और के लिए है। यह ठीक बात है। आप किसी और के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। आपके ह्रदय पर कोई और है। यह ठीक बात है, क्या यह नहीं है? यह एक मित्र है। यदि मैं आपको बताऊं कि उस मित्र के साथ क्या मामला है, तो क्या आप मेरा विश्वास करेंगे कि मैं परमेश्वर का दास हूं? ये शराबी है। यह ठीक बात है। यदि यह ठीक है अपना हाथ उठाएं।

187 क्या आप विश्वास करते हैं? कोई यहां है जिन्होंने अपने हाथ उठाएं है, एक महिला यहां पीछे, कोई है। जी हां। जी हां। आप मुझे नहीं जानते? मैं आप सबके लिए अपरिचित हूं? मैं आपको नहीं जानता, लेकिन परमेश्वर आपको जानता है। आप यह विश्वास करते हैं? यदि परमेश्वर मुझ पर प्रगट करेगा कि आपके ह्रदय पर क्या है, तो क्या आप मेरा विश्वास करेंगे कि मैं उसका दास हूं? छोटी महिला, आपकी परेशानी जिस विषय में है वो वहां बालक है। यह ठीक बात है। और उस बालक के चेहरे पर खुजली होती है। डॉक्टर इस विषय में कुछ नहीं कर सकता। आप यहां पर अपरिचित है, आप और आपके प्रिय जन यहां पर बैठे हुए है। आप विश्वास करते हैं परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आप कौन हैं या आप कहां से आए हैं? आप ये विश्वास करते हैं? क्या आप उस बालक की चंगाई को स्वीकार करेंगे यदि वह करेगा? [बहन कहती है, "हां।"—सम्पा।] ठीक है, आप सोमरसेट, केंटकी में वापस जा सकती है, जहां से आप आई है, आप विश्वास करती है, कि वह इसे चंगा करेगा और विश्वास करे खुजली बालक को छोड़ देगी, यदि आप इसका विश्वास कर सकती है।

188 जब मैंने इस वचन का उल्लेख किया, तो कोई तो वहां हॉल में पीछे खड़ा है, जो सोमरसेट, केन्टकी से है, ह्रदय की तकलीफ है, प्रार्थना कर रहा है। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर उन्हें चंगा करेगा? यदि आप इसका संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करें, और विश्वास करें कि परमेश्वर चंगा करेगा और स्वस्थ कर देगा।

189 यहां, यहां है, मैं विश्वास करता हूं कि किसी का हाथ यहां उठा है, इधर की ओर एक महिला। हाँ, मैंने आपका हाथ देख लिया। महिला क्या मैं आपके लिए अपरिचित हूं? मैं आपको नहीं जानता। हम कभी नहीं मिले।

क्या आप मुझे उसका दास होने का विश्वास करती है? [महिला कहती है, "हां।"—सम्पा।] आप करती हैं? आपके ह्रदय पर बोझ है, या ऐसा ही कुछ। आप विश्वास करती है, यदि परमेश्वर मुझ पर प्रकट करें, आप विश्वास करती है कि यह यही आत्मा है जो मसीह में था? आपका पति वहां बैठा है, वह भी यही विश्वास करता है? क्या आप एक ही बात का विश्वास करते हैं? यह आपकी छोटी लड़की के विषय में है जो वहां आपकी बगल में बैठी है। यह ठीक बात है, उसे कैंसर हैं। लेकिन क्या आप विश्वास करती है कि परमेश्वर उसे चंगा कर देगा? यदि आप करते हैं, तो अपना हाथ ऊपर उठाएं। तो ठीक है, अपने हाथ बालक के ऊपर रखे।

190 प्रभु यीशु, आपकी आत्मा की उपस्थिति में, मैं शैतान को दोषी ठहराता हूं जो बालक को मार रहा है। मैं यीशु मसीह के लहू को विश्वास के द्वारा, उस मारने वाले और बालक के बीच में रखता हूं। ये जीवित रहे। आमीन।

191 परमेश्वर में विश्वास रखें। संदेह न करें। "यदि तू विश्वास करें, सब बातें संभव है।" यदि आप विश्वास कर सकते हैं, सारी बातें संभव है। सही है।

192 कोई वहां पीछे उन्होंने अपने हाथ उठाएं, कहीं तो, आप एक महिला, वहां आखिरी में। आप मुझे परमेश्वर का दास होने का विश्वास करती हैं? मैं आपको नहीं जानता, आप मुझे नहीं जानती। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर मुझ पर आपकी क्या परेशानी है प्रगट कर सकता है? क्या आप यीशु को अपना चंगाकर्ता या देने वाला करके स्वीकार करती हैं, यह जो भी है—जो भी है... ? तो आप विश्वास करेंगी? तो ठीक है, तो फिर यह बैचेनी ख़त्म हो जाती है जो आपको थी, आपको यही था। यदि ये ठीक है, तो अपने पांव पर खड़े हो, यदि यह ठीक है, जिससे कि लोग देखें कि यह सत्य है। ठीक है, अब यह आपको छोड़ देगा। आप घर जाए और चंगी हो जाए। परमेश्वर आपको आशीष दे।

आप भी केंटकी से है। हूं–हुंह, यह ठीक बात है।

193 जो महिला आपके पास बैठी है वह भी केंटकी से है। वह भी है। मैं आपको नहीं जानता, क्या मैं जानता हूं? लेकिन मैं आपको बता सकता हूं कि आपके साथ कुछ तो गलत है। यदि मैं आपको बता सकता हूं कि आपके साथ क्या गलत है, तो आप मसीह को अपना चंगाकर्ता करके स्वीकार करेंगे? यह आपके कमर पर है। यदि ये सही है, तो अपना हाथ

उठाएं, ऊंचा करके उठाये ताकि लोग देख सके। ठीक है, अब घर जाए, यह आपको छोड़ देगा। आपका विश्वास आपको चंगा करता है।

मैं आपको विश्वास करने के लिए चुनौती देता है। मैं आपके भरोसे को चुनौती देता हूं कि विश्वास करें।

194 यहां एक महिला बैठी हुई, प्रार्थना कर रही है, अपने चेहरे पर रुमाल लगाएं हुए हैं। मैं आपको नहीं जानता। परमेश्वर आपको जानता है। आप जोलीएट, इलीनोइस से है, और आपको एक ट्यूमर है। यह बिल्कुल सही बात है। आप आश्चर्य कर सकती है... (जी हां, यही—यही वह महिला है जिसे रोसेला लेकर आई है। यह ठीक बात है। रुकिए, उसने इस विषय में मुझे बताया था, लेकिन उसे कभी भी मालूम नहीं मैंने महिला को कभी भी नहीं जानता था। यह सही बात है। ऐसा हुआ कि महिला का विश्वास बहुत अधिक था।) मैं आपको एक बात बताता हूं कि आप—आप जानते हैं कि मैं नहीं जानता। आप इस बालक के लिए जो कुर्सी के अंत में बैठा है, प्रार्थना कर रहे हैं, ये बीमार है। यह आपका बालक है। यह ठीक बात है। आमीन। आप जानते हैं कि मैं यह नहीं जानता।

195 यह वहां है, यह पवित्र आत्मा है! क्या आप इसका विश्वास करते हैं? क्या आप इसे स्वीकार करते है? तब यदि जिसके बारे में मैंने कहा यह सही है कि "सकेत है वह फाटक और सकरा है वह मार्ग" ये सही है। यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र, वह इस समय यहां पर है। जीवित परमेश्वर का आत्मा ठीक यहां पर है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? तो फिर मैं आपको यह बता दूं कि मैं कुछ भी नहीं कि चंगा करूं, मैं चंगा करने वाला नहीं हूं, लेकिन परमेश्वर के आत्मा ने मुझे बस चुना कि वो अपने आप को प्रगट करें। मेरे पास कोई शिक्षा नहीं। मेरे पास कोई ज्ञान नहीं किसी भी चीज का। लेकिन ये उसका आत्मा है जो यह करता है, आप देखो, और वह चाहता है कि आप जाने कि मैंने आपको सत्य बताया है।

196 यह सत्य है, कि यीशु मसीह आप में से प्रत्येक को अब इसी समय चंगा करता है यदि आप इसका विश्वास करेंगे। अब बस जैसे... यदि इसने किंग्सटन में कार्य किया, जो कि मिशनरियां है, और जो भी ये है वहां पीछे, किंग्सटन में कार्य करते हुए देखा है, हजारों लोग चंगे हुए थे, तो ये यहाँ अमेरिका में क्यों नहीं कार्य करेगा जहां अब हमारे पास इस तरह से है? हम क्यों इसका विश्वास नहीं कर सकते? क्योंकि हम सामने की छोटी दरार

को पार नहीं कर सकते। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? अपने हाथों को उठाए।

197 अब, उन्हीं हाथों को, जो कोई आपके पास बैठा है उस पर रखे, मुझे ठीक यहां से ही उसके लिए प्रार्थना करने दो, और आपके हृदय में कोई सन्देह ना आए, यह इसको समाप्त कर देगा।

198 ओह, मेरे, भाई नेविल! मैंने कितनी इच्छा की है, मैंने कितनी प्रार्थना की है, कितना मैंने... आप सोच सकते हैं; मैं अपने आप में नहीं हूं; मैं नहीं हूं। मैं जानता हूं कि मैं ठीक कहां पर हूं। यदि मैं केवल इस छोटी सी चीज को आपके ऊपर ला सकता! क्या आप अनुभव करते हैं यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र, यहां इस प्रातः लोगों के मध्य में है, ठीक अभी, ठीक अब यहां पर उपस्थित है, स्वयं को दर्शा रहा है?

अच्छा, आप कहते हैं, "भाई ब्रंहम, *आपने* यह कहा।"

199 मैंने यह कैसे कह दिया? मैं आपको नहीं जानता। वहां एक और महिला है उसे टी बी है। बहन आप चंगी हो गई है। आपको आशीष मिले। मुझे क्षमा करें, आप जिसे टी बी है उस महिला के लिए प्रार्थना कर रही थी, क्योंकि वह सफेद बालों वाली महिला है। जी हां। तो ठीक है, इसका विश्वास करें। वो यहां है। यह उसकी उपस्थिति है।

200 अब, यहां जो उसने कहा, "जो विश्वास करेंगे उनके पीछे–पीछे ये चिन्ह जायेंगे। यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।" वह कैसे झूठ बोल सकता है? देखिए, यह उस पर नहीं है, यह मुझ पर नहीं है, अब यह आप पर है। अब आप विश्वास करें।

201 मैं पीछे बैठी उस छोटी महिला की ओर देख रहा हूं, वहां अभी–अभी, उसके पास बहुत विश्वास है। वह और उसका पति, अभी नए–नए प्रभु के पास आए हैं। वह अभी इस सभा में बैठी है, उसे हर्निया था उसका डॉक्टर ऑपरेशन करने जा रहा था अभी इससे पहले, और उसे बालक होने वाला था। और डॉक्टर उसके बाद में ऑपरेशन करने वाला था, लेकिन बालक जन्मा और वे फिर हर्निया को ना पा सके। यह पूरी तरह से चला गया। समझे? क्यों? वह ऐसे बैठी थी... वह इस प्रचार मंच इस प्रकार से कभी नहीं आई। वो अब पीछे वहां बैठी और इसका विश्वास किया। यह ठीक बात है, श्रीमती ग्रीन, मैं विश्वास करता हूं, ऐसा ही है, वहां पीछे? यह ठीक बात है। उसके हाथ को देखें? यहां तक कि डॉक्टर उस हर्नियाँ को नहीं पा

सके, ये पूरी तरह से चला गया था। क्यों? उसने इसका विश्वास किया, अभी खड़े होकर और कहा, "यह ठीक बात है!"

202 अब आप वैसा ही करते हैं, और हर एक पीड़ा जो आपको है उसे अब छोड़ना ही होगा। परमेश्वर, कौन—कौन मनुष्य की देह में कुछ भेज सकता है, उस सांप के काटे हुए प्रेत को जो कि मनुष्य के पैर में काटा था कि उसे मार डाले, इसे रोक सकता है और उसे ठीक वहीं मार सकता है, तो आपके शरीर में की उस बीमारी को कितना अधिक मार सकता है। क्योंकि, वह व्यक्ति निराशा में था और उसे सहायता चाहिए थी। आपको भी चाहिए। यदि आपके पास ये नहीं है, तो आप मर जाते हैं।

203 अब अपने हाथ एक–दूसरे के ऊपर रखे। अपने लिए प्रार्थना ना करें, आप अपने पास वाले व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें। यही एक मसीही के के जैसा है।

204 इसे सीखें, इसे सीखे, कि, जब आप दूसरों के लिए करते हैं, आप मसीह के लिए करते हैं। जब आप किसी और के लिए भले होते हैं, तो आप मसीह के लिए भले होते हैं। यदि आप किसी के साथ गलत व्यवहार करते हैं, आप मसीह के साथ गलत व्यवहार कर रहे हैं। ओह, प्रभु!

205 यदि, मैं केवल इस पर सफल हो सकूं, यदि मैं ये लोगों को दिखा सकूं, मैं जिस बात के लिए देख रहा हूं और मैं जो अनुभव कर रहा हूं, और मैं जो जानता हूं वही बात अब हो रही है, देखो। किस तरह से मसीह इस प्रातः संदेश के बाद जोर दे रहा है, ताकि सीधे लोगों के ह्रदय में उतर जाए और वहां कुछ तो उत्पन्न करें; ना ही उत्तेजना को, ना ही भावना को (यह इसके साथ आते है) लेकिन वहां एक ना खत्म होने वाला विश्वास वह यह नहीं कहेगा कि शत्रु को एक इंच दे दो।

206 अब, वो मेरी प्रार्थना को सुनेगा, वह आपकी भी सुनेगा। आप एक दूसरे के लिए प्रार्थना करें, जबकि मैं आप सब के लिए प्रार्थना करता हूं।

207 और प्रभु, यह बड़ी निर्णायक की घडी है, हम अनुभव करते हैं यह बहुत सारे लोगों के लिए इसका अर्थ जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर होगा। और मैं आपकी उपस्थिति में कांपता हूं, क्योंकि प्रभु परमेश्वर मैं जानता हूं, कि मुझे अपने संपूर्ण ह्रदय के साथ प्रार्थना करनी चाहिए। मैं अनुभव करता हूं कि यहाँ तक होने पाए अगले पांच मिनटों में हमारे मध्य में एक भी बीमार ना हो, कि हर व्यक्ति जो यहाँ पर है पहचान ले कि आप यहां

है। प्रभु, इस प्रातः वे यहां पर खड़े हैं। वे लोग अपने हाथ ऊपर उठाये जो यह जानते हैं कि मैं उन्हें नहीं जानता, और उनके विषय में कुछ भी नहीं जानता। लेकिन आपका आत्मा उन्हें जानता है। आप इनके हृदय के भेदों को जानते हैं, तो आप उनके दुखो और रोगों को कितना अधिक जानते होंगे! तब, प्रभु, ऐसा आज हो जाए, इसे भी अभी हो जाए कि आपका आत्मा उनके बीमार शरीरों को छू ले। प्रभु, इसे ग्रहण कीजिये। ये लोग एक दूसरे के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

208 और प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, कि पवित्र आत्मा इसको इतना वास्तविक बना देगा, कि वे कभी भी फिर अविश्वास नहीं करेंगे। और प्रभु एक और बीमारी है, जो इस शारीरिक बीमारी से अधिक बढ़कर है, ये एक आत्मिक बीमारी है। होने पाए हर हृदय खुल जाए।

209 प्रभु, ये कैसे हो सकता है कि आप अब्राहम के पास खड़े होकर, और इसी चीज को किया, साराह को बताया जो कि आपके "पीछे" थी, वचन कहता है, "वो तंबू में हंसी," और आपने उसे बता दिया। और अब्राहम ने यह पहचान लिया कि ये एलोहिम है, वो महान परमेश्वर। कुछ ही मिनटों में आप उसकी दृष्टि से ओझल हो गए थे।

210 और, प्रभु, जब यीशु खड़े होकर और उसी काम को किया, और कहा, "तुम अब्राहम को अपना 'पिता,' कहते हो और फिर तुम कहते हो कि तुम पवित्र शास्त्र को जानते हो।" कहा, "तुम पवित्र शास्त्र जानने में चूक जाते हो, तुम ना ही परमेश्वर की सामर्थ को जानते हो।" और उन्होंने उसे "बालजबूल," कहा।

211 लेकिन आपने अंतिम दिनों में यह प्रतिज्ञा की है कि आप अपना आत्मा फिर से उडेलेंगे। और भविष्यव्यक्ता ने कहा, "सांझ के समय उजियाला होगा।" और हम यहां हैं।

212 जब यह अशुद्ध संसार पापों के नीचे लडखडा खा रहा है, जैसे कि एक शराबी रात्रि को घर जाता है, जल्दी ही यह बीच में से फट जाएगा, वहां मुश्किल से ज्वालामुखी की धूल भी नहीं होंगी, जो इसमें रहेगी। और हम देखते हैं कि समय निकलता जा रहा है।

213 हे परमेश्वर, हम में से हर एक सन्देह को दूर कीजिये। अब हमें अब उस चक्र के अंदर चलाएं। पवित्र आत्मा आ। अपने महान पंखों को फैला और अब लोगों के इस लोगों की सभा के झुंड के ऊपर मंडरा, और स्वयं

को इनके ह्रदय के अंदर परिपूर्ण करें, और वे जान जाए कि आप दिव्य उपस्थिति में है, कि ये आप हैं, "मैं प्रभु हूं जो सारे रोगों को चंगा करता है।" और होने पाए आपकी उपस्थिति उनके ह्रदय में कुछ तो करें जिसके कारण जब ये यहां से जाए, आज सुबह, जो भी उनमें है विश्वास करते हुए जाए। और होने पाए हर रोगी और पीड़ित व्यक्ति चंगा हो जाए।

214 क्योंकि, आपके सेवक के नाई, मैं खडे होकर और हर एक शैतान को दोषी ठहराता हूं, बीमारियों को निकम्मा ठहराता हूं, शैतान को निकम्मा ठहराता हूं।

215 तू ख़त्म हो गया है, और तू कुछ नहीं केवल एक धोखेबाज है। इस सुबह हम आपके हाथ के लिए पुकारते हैं, यीशु मसीह के नाम में। और उसके सेवक के समान, उसके वचन को प्रचार करते हुए, और लोगों को सत्य बताते हुए कि सही हो जाए और परमेश्वर के वचन के साथ क्रमबद्ध हो जाए, शैतान, मैं तुझे यीशु मसीह के नाम में निकम्मा ठहराता हूं। इन हर एक लोगों में से चला जा जो दूर और पास से चंगे होने के लिए आए हैं। तू इस श्रोतागण और लोगों में से चला जा। मैं जीवते परमेश्वर के द्वारा तुझसे कहता हूं। और बाईबल ने कहा, "धर्मी जन की क्रियाशील, उत्साही की प्रार्थना बहुत कुछ पाती है।" और बहुत से धर्मी मनुष्यों ने अपने हाथ यहां इस प्रातः बीमारों पर रखे हुए हैं। ओह, शैतान, तू इन्हें ये विचार देना चाहेगा कि ये मैं हूं, फिर तू इनसे महिमा को ले लेगा। लेकिन ये इनका भी परमेश्वर में विश्वास है, वे परमेश्वर में विश्वास करते हैं! और तुझे उनके विश्वास के द्वारा हटना होगा। इसलिए अब यहां से अपने मार्ग को ले ले, और बाहर अंधकारों में चला जा जहां से तू है। मैं तुझे यीशु मसीह के नाम में निकम्मा ठहराता हूं, परमेश्वर की बाईबल के अधिकार के द्वारा, दूत से दिया गया मेरा कार्यधिकार। अब यीशु मसीह के नाम में चला जा, और इन्हें आजाद कर। आमीन।

216 क्या आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं, कि आप चंगे हो गए हैं? अपने हाथ उठाएं, कहे, "मैं अब यीशु मसीह को अपना चंगाकर्ता करके स्वीकार करता हूं। मुझमें से सारी परछाइयां ओझल हो गई है। मैं अब उसे उसके सामर्थ की सम्पूर्णता में स्वीकार करता हूं, उसकी उसकी उपस्थिति में की आशीषे। मैं उसे स्वीकार करता हूं।"

मेरा विश्वास तेरी ओर देखता है,
तूझ कलवरी के मेमना को,
दिव्य बचाने वाला;
अब जबकि मैं प्रार्थना करता हूं तो मेरी सुन,
मेरे सारे पापों को उठा ले,
ना ही मैं कभी भटकने पाऊं
तेरे पास से।

अब हम अपने हाथों को उठाए उसके लिए बहुत ही मधुरता के साथ।

जबकि जीवन के भूल भुलाया में मैं चलता हूं,
और मेरे चारों ओर दु:ख फैला हुआ है,
तू मेरा मार्ग दर्शक बन (हे परमेश्वर!);
आदेश से अंधकार दिन में बदल जाए,
दु:ख को मिटा, डर को दूर करे,
ना ही मुझे कभी भटकने दे
तेरे पास से।

... अनुग्रह की बहुतायत...

सकरा है वो फाटक HIN59-0301M

(Strait Is The Gate)

कलीसिया की श्रृंखला

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 1 मार्च, 1959 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org